संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 294
पृष्ठ 8
मंगलवार
14 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बात-बात पर झूठ बोलता है...

विचार- बोरवैल में दम तोड़ती जिंदगी

खेल- इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल...

राजनाथ ने किया लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

निवेश और रोजगार को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री योगी

● गडकरी बोले- यूपी में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क प्राथमिकता

लखनऊ,संवाददाता। प्रमुख संवाददाता। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नेवरना पड़री में फीता काटकर लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद रक्षामंत्री ने वहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद सभी नेता सरोजनीनगर स्थित कैप्टन मनोज पांडेय उप्र सैनिक स्कूल में आयोजित समारोह के लिए रवाना हुए। समारोह स्थल तक 51 किलोमीटर का सफर तय कर उन्होंने सड़क की गुणवत्ता को भी परखा। इससे पहले रक्षामंत्री अपने आवास से लामार्टिनियर कॉलेज होते हुए हेलीकॉप्टर से नेवरना पड़री पहुंचे थे। इसी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सड़क अवसंरचना विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला है, जिससे निवेश, उद्योग, कृषि, पर्यटन, व्यापार और रोजगार को नई गति मिलेगी। वहीं गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन बनकर उभरा है, इसलिए राज्य में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क विकसित करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति और अन्य विभागीय औपचारिकताओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर परियोजनाओं को गति देने के निर्देश दिए।

बैठक में एनएचएआई के चेयरमैन ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। इस अवधि में लगभग 10,204 किलोमीटर परियोजनाओं का आवंटन हुआ, जिनमें से करीब 9,329 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। अप्रैल 2025 से मई 2026 के बीच 606 किलोमीटर नई परियोजनाएं स्वीकृत हुई और 1,010 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण पूरा हुआ। प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर अब तक लगभग 1.94 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिनमें वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान करीब 23,445 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

समीक्षा के दौरान बरेली बाईपास में वृक्षों की कटान के मुद्दे पर गडकरी ने कहा कि पेड़ों को काटने के बजाय आधुनिक तकनीक से उनका प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हर परियोजना में सुरक्षित डिजाइन, ब्लैक स्पॉट के वैज्ञानिक सुधार और आधुनिक संकेतक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सड़क निर्माण के साथ दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर भी समान ध्यान दिया जाए।

बैठक में बताया गया कि रामवन गमन मार्ग, राम जानकी मार्ग और 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इनके पूरा होने से अयोध्या, चित्रकूट, प्रयागराज, कौशांबी और जनकपुर (नेपाल) समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों तक आधुनिक सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। अयोध्या रिंग रोड से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक निर्बाध संपर्क मिलेगा।

भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया, अब यह अधिक सुलभ और जन-केंद्रित है : राजनाथ सिंह

लखनऊ,संवाददाता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि आज भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, आसानी से सुलभ, सस्ती, आधुनिक और जन–केंद्रित होकर उभरी है। लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा, आज भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, सस्ती, आधुनिक और जन–केंद्रित होकर उभरी है। आज, भारत जीन थेरेपी, परमाणु चिकित्सा और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है। सिंह ने लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत चिकित्सा अनुसंधान में नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने देश को अनेक ऐसे चिकित्सक दिए हैं, जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री और डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया है। इस संस्थान से जुड़े लोगों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की है। सिंह ने कहा, हमारे वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया के इलाज के लिए एक स्वदेशी जीन थेरेपी का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। पुणे के एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक नैनो मेडिसिन विकसित की है। उन्होंने कहा कि तीन दशकों के बाद, 2024 में भारत में पेनिसिलिन–जी का उत्पादन फिर से शुरू हो गया है और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना ने चिकित्सा उपकरणों के स्वदेशी विनिर्माण को नई गति दी है। रक्षा मंत्री ने बताया कि आज देश भर में लोगों को 19,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बहुत सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं मिल रही हैं। जिस माहौल में चिकित्सा क्षेत्र के लोग काम करते हैं उसका जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, चिकित्सा पेशा से जुड़े लोग अत्यधिक तनावपूर्ण माहौल में काम करते हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

बंगाल के मदरसा शिक्षकों-कर्मचारियों की नियमितीकरण मांग पर अदालत का बड़ा फैसला, याचिकाएं खारिज

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के विभिन्न मदरसों में कार्यरत करीब 360 शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य सरकार की अनुदान सहायता योजना के तहत सेवाओं के नियमितीकरण और वेतन संबंधी लाभ नहीं दिए जाने को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने 350 से अधिक कर्मचारियों में से 13 याचिकाकर्ताओं के मामलों पर गौर करने के बाद फैसला सुनाया। पीठ ने यह पता लगाने के लिए इन मामलों पर गौर किया कि राहत देने का कोई आधार बनता है या नहीं। फैसला सुनाते हुए पीठ ने कहा, हमने यह आधार अपनाया कि यदि इन 13 याचिकाकर्ताओं में से कोई एक भी हमें अपने पक्ष में निर्णय देने के लिए संतुष्ट कर देता, तो हम शेष मामलों का भी अध्ययन करते। दुर्भाग्यवश, इन 13 में से कोई भी याचिकाकर्ता हमें प्रभावित नहीं कर सका। सभी याचिकाएं खारिज करते हुए पीठ ने कहा, इसलिए हमने न केवल उन 13 याचिकाकर्ताओं के दावों को खारिज किया है, जिनके मामलों पर गौर किया गया, बल्कि अन्य सभी याचिकाकर्ताओं के दावों को भी अस्वीकार कर दिया है। सभी रिट याचिकाएं गुण–दोष के आधार पर निराधार हैं और इसलिए इन्हें खारिज किया जाता है। पश्चिम बंगाल के विभिन्न मदरसों में कार्यरत लगभग 360 शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट में करीब 48 याचिकाएं दायर की थीं। विवाद पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग अधिनियम, 2008 से जुड़ा है। इस अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति की सिफारिश के लिए एक वैधानिक आयोग का गठन किया गया था। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 2014 में इस अधिनियम को निरस्त कर दिया था। वर्ष 2015 में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने भी इस फैसले को बरकरार रखा था। हालांकि, मार्च 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।फरवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एक समिति का गठन किया था, ताकि यह तय किया जा सके कि कलकत्ता हाई कोर्ट के 2015 के फैसले के बाद, लेकिन 2020 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2008 के अधिनियम को वैध ठहराए जाने से पहले की गई नियुक्तियां वैध थीं या नहीं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में ऐसी नियुक्तियों को अवैध माना। इसके बाद प्रभावित कर्मचारियों ने समिति की रिपोर्ट को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

प्रधानमंत्री को लेकर कांग्रेस का बड़ा बयान, खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा वाली स्थिति बताई

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री का ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा पूरी तरह खोखला साबित हुआ है और उनके लिए हमेशा खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा वाली स्थिति रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर यह भी कहा कि मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने ना खाऊंगा ना खाने दूंगा का नारा दिया था, लेकिन बाद की घटनाओं ने इस दावे की वास्तविकता उजागर कर दी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नोटबंदी पर की गई टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे संगठित लूट और वैध ठहराई गई लूट बताया गया था। रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन को ओएनजीसी में विलय कर 20,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले को छिपाने का प्रयास किया गया। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को चंदा दो, धंधा लो घोटाला बताते हुए कहा कि इससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप

प्रधानमंत्री मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं यकीन

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं। छप से बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे किसी बेहतर चीज की उम्मीद कर सकते हैं? इस देश में पेगासस कौन लाया, राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी?

पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इजराइली NSO ग्रुप के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया है। खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की भी आलोचना की और कहा कि इससे भारत को कोई ठोस फायदा नहीं हुआ, फिर भी जनता का पैसा खर्च किया गया। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारतीय टॉफी ब्रांड मेलोडी का पैकेट तोहफे में देने पर मोदी का मजाक भी उड़ाया। खेड़ा ने सवाल किया कि राहुल गांधी सरकारी खर्च पर सरकारी दौरे पर नहीं जाते। भारत के प्रधानमंत्री इसके लिए जिम्मेदार हैं। जब वह विदेश जाकर मेलोनी नाम की महिला को श्मेलोडी टॉफीश बांटते हैं, तो क्या हमें इसका जश्न मनाना चाहिए? क्या टैक्स देने वालों के पैसे से उन्हें यही करना चाहिए? कांग्रेस नेता ने मोदी के विदेशी दौरों के नतीजों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका के साथ बहुत ही असंतुलित व्यापार समझौता किया है और दावा किया कि देश की विदेश नीति बाहरी ताकतों से प्रभावित है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर इजराइल का समर्थन करने का आरोप लगाया और कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष शुरू होने से ठीक पहले मोदी ने उस देश का दौरा किया था। खेड़ा ने कहा कि उनके इन सभी दौरों से हमें क्या मिला? अमेरिका के साथ एक बहुत ही पक्षपाती टैरिफ डील। क्या हमें उनसे यही मिलता है? डोनाल्ड ट्रंप हमारी विदेश नीति को कंट्रोल कर रहे हैं। क्या हमें उनसे यही मिलता है? एपस्टीन हमारी विदेश नीति को कंट्रोल कर रहे हैं, हमारी विदेश नीति तय कर रहे हैं। प्रधानमंत्री इस गैर–कानूनी युद्ध से ठीक पहले इजराइल जा रहे हैं और इजराइल के साथ खड़े हैं।

राहुल बोले

मोदी सरकार और प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ा, अब शिक्षा में क्रांति का समय

नयी दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मोदी सरकार व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है। उन्होंने 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित होने वाले श्छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले यह भी कहा कि शिक्ष में क्रांति का वक्त आ गया है। राहुल गांधी पेपर लीक और परीक्षाओं में कथित धांधलियों के विषय पर छात्रों की गूंज अभियान चला रहे हैं। इसके तहत पिछला कार्यक्रम राजस्थान के कोटा में आयोजित किया गया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती और बेईमान जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था अब बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है और जो व्यवस्था बच्चों का भविष्य संवारने के लिए बनाई गई थी, वही उन्हें तथा उनके परिवारों को कर्ज, तनाव और निराशा की ओर धकेल रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत को एक झटके में बर्बाद कर देता है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि पेपर लीक मामलों में दोषी वेंडर्स और अधिकारियों को कार्रवाई के बजाय ठेके और तरक्की मिलती है, जबकि इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे इस स्थिति से अवगत होने के बावजूद जवाबदेही तय करने के बजाय चुप्पी साधे हुए हैं। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि इस मुद्दे पर मीडिया में भी सन्नाटा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, बहुत हुआ–अब वक्त है शिक्षा में क्रांति का।

बदरीनाथ धाम मंदिर में चढ़ावा हेराफरी मामले में प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

देहरादून बदरीनाथ धाम मंदिर में दान–चढ़ावा राशि में कथित गड़बड़ी के मामले में एक्शन शुरू हो गया है। उत्तराखंड पुलिस ने प्रमोद नौटियाल नाम के आरोपी कर्मचारी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बीच पुलिस उसे बदरीनाथ लेकर पहुंच रही हैं। बदरीनाथ धाम में वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आने के बाद से ही प्रमोद नौटियाल फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे देहरादून से गिरफ्तार किया है। प्रमोद धाम से जुड़ा कर्मचारी है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला काफी संवेदनशील है। इसलिए भी क्योंकि यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चंदा–चढ़ावा चोरी पर भारी बवाल मचा है। आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और तीन सदस्य ट्रस्ट से निकल गए। एसआईटी मामले की जांच कर रही है। इस बीच बदरीनाथ धाम में चढ़ावा राशि में कथित रूप से गबन के आरोपों ने हंगामा मचा दिया। देवभूमि में इस घटना के खिलाफ आवाजें उठने लगीं। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत भी कड़ी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने मामले में कठोर कार्रवाई की जरूरत जताई है। मामला तूल पकड़ने के बाद इस केस में कार्रवाई की शुरुआत हो गई है। पूछताछ के क्रम में अनियमितता की स्थिति सामने आएगी। पुलिस प्रमोद नौटियाल को देहरादून से बदरीनाथ धाम स्थित कार्यालय के लिए लेकर पहुंच रही है। एसआईटी के जांच अधिकारी महादेव उनियाल ने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

पापा प्यारे या मामा, मां से जुदा मासूमों के दिल की बात सुनेगा इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मां के निधन के बाद मामा संग रह रहे दो मासूमों की जुबानी उनके दिल की आवाज सुनने का फैसला किया है। कोर्ट उनसे खुद बातचीत करेगा। जानेगा कि उन्हें पापा प्यारे हैं या मामा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मां के निधन के बाद मामा संग रह रहे दो मासूमों की जुबानी उनके दिल की आवाज सुनने का फैसला किया है। कोर्ट उनसे खुद बातचीत करेगा। जानेगा कि उन्हें पापा प्यारे हैं या मामा। इसके लिए कोर्ट ने 24 जुलाई को मामा को बच्चों संग कोर्ट में तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की अदालत ने वाराणसी के एक डॉक्टर पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि 13 मई को फेफड़ों के कैंसर से याची की पत्नी का निधन हो गया। इसके बाद पत्नी के भाई उनके दोनों नाबालिग बेटों को अपने साथ ले गए। कई अनुरोधों के बावजूद वह बच्चों को नहीं भेज रहे हैं। उन्होंने शहर के नामी स्कूल में दोनों का कक्षा दो में दाखिला करा दिया है। फीस भी जमा कर दी है। इससे स्पष्ट है कि वह बच्चों की शिक्षा और परवरिश की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वहीं, राज्य सरकार के अधिवक्ता ने बताया कि बच्चों ने पुलिस से बातचीत में अपनी नानी और मामा के साथ रहने की इच्छा जताई है। कोर्ट ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में मां के बाद जैविक पिता ही बच्चों की वैध अभिरक्षा के हकदार होते हैं, जब तक यह साबित न हो कि उनका साथ बच्चों के हित में नहीं है। मौजूदा मामले में ऐसा कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि बच्चे पिता के साथ असुरक्षित रहेंगे। लिहाजा, कोर्ट ने कहा कि अभिरक्षा का अंतिम फैसला बच्चों से बातचीत और उनके सर्वोत्तम हित का आकलन करने के बाद ही होगा। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगली तारीख पर दोनों बच्चों को हर हाल में पेश किया जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित पुलिस अधिकारी को हलफनामा दाखिल कर बताना होगा कि आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ और बच्चों को पेश करने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाए गए।

उत्तर प्रदेश टीईटी परिणाम जुलाई के अंतिम सप्ताह में, 17 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का परिणाम जुलाई के अंतिम सप्ताह में घोषित हो सकता है। उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग इस परीक्षा का आयोजन करता है। आयोग 20 जुलाई तक कॉपियों की स्कैनिंग का कार्य पूरी कर लेगा। उत्तर प्रदेश अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का परिणाम जुलाई के अंतिम सप्ताह में घोषित हो सकता है। उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग इस परीक्षा का आयोजन करता है। आयोग 20 जुलाई तक कॉपियों की स्कैनिंग का कार्य पूरी कर लेगा। इसके बाद परिणाम जारी करने की तैयारी है। टीईटी की परीक्षा में कुल 17,70,714 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। यह परीक्षा प्रदेश के 60 जिलों में आयोजित की गई थी। इसके लिए 955 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। टीईटी की परीक्षाएं दो, तीन और चार जुलाई को संपन्न हुई थीं। दो जुलाई को 6,84,617 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे थे। तीन जुलाई को 7,51,321 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। वहीं, चार जुलाई को 3,34,775 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पांच जुलाई तक सभी ओएमआर शीट आयोग तक पहुंच गई थीं। ओएमआर शीट की स्कैनिंग का कार्य 20 जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद है। स्कैनिंग के बाद परिणाम तैयार किया जाएगा। इसके बाद परिणाम का सत्यापन होगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही परिणाम जारी किया जाएगा।

परीक्षार्थी बोले: टीईटी में प्रश्नों के सही उत्तर का सत्यापन कर आयोग जारी करे परिणाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की उत्तर कुंजी जारी होने के बाद से छात्रों ने सवालों के उत्तर पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की उत्तर कुंजी जारी होने के बाद से छात्रों ने सवालों के उत्तर पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उत्तर कुंजी के कई जवाबों को अभ्यर्थियों ने गलत ठहराया है। उन्होंने प्रश्नों के सही उत्तर का सत्यापन करने के बाद ही परिणाम जारी करने की मांग की है। टीईटी की परीक्षा दो से चार जुलाई को प्रदेश के 955 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई थी। इसमें दो जुलाई को 6,84,617, तीन जुलाई को 7,51,321 और चार जुलाई को 3,34,775 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। आयोग ने कहा है कि अगर किसी अभ्यर्थी को अनंतिम उत्तर कुंजी पर आपत्ति है तो वह 14 जुलाई रात 12 बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आपत्ति दर्ज करने संबंधी दिशा–निर्देश आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हैं। तीन जुलाई की प्रथम पाली में गणित के कई प्रश्नों पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति दर्ज कराई है। प्रश्न संख्या 96 में रेखा खंड । (2,4) और ठ (•, 10) के मध्य बिंदु (6,7) के लिए • का मान अभ्यर्थियों ने 10 माना है जबकि आयोग ने 14 माना है।

प्रश्न संख्या 98 में एक व्यंजक को सरल करने पर उत्तर 1 होगा, लेकिन आयोग ने 104 माना है। प्रश्न संख्या 99 में यदि +इ = 5 और +इ = 17 है प्रश्न का उत्तर आयोग ने 60/4 माना है जबकि अभ्यर्थी सही उत्तर 65/4 बता रहे हैं। प्रश्न संख्या 101 में 7 सेमी भुजा वाले ठोस घन को पिघलाकर 1 सेमी त्रिज्या वाले गोलों की संख्या कितनी होगी? अभ्यर्थी सही उत्तर 81 बता रहे हैं जबकि आयोग ने 96 माना है। इसी प्रकार अन्य कई प्रश्नों पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति दर्ज कराई है।

टीईटी का परिणाम जुलाई के अंतिम सप्ताह में जारी होने की उम्मीद है। आयोग सूत्रों के मुताबिक, 20 जुलाई तक ओएमआर शीट की स्कैनिंग हो जाएगी। स्कैनिंग के बाद परिणाम तैयार कर उसका सत्यापन किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होते ही रिजल्ट जारी किया जाएगा। टीईटी की परीक्षा 60 जिलों में हुई थी। परीक्षा में 17,70,714 परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

बरेली और मनवर संगम एक्सप्रेस को मिला एलएचबी रेक, यात्रियों को कम लगेंगे झटके

प्रयागराज। प्रयागराज संगम एक्सप्रेस और मनवर संगम एक्सप्रेस के रेक को पारंपरिक आईसीएफ कोच से बदलकर आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच से लैस कर दिया गया है। बरेली से प्रयागराज संगम एक्सप्रेस नए एलएचबी कोच के साथ रवाना हो चुकी है। प्रयागराज संगम एक्सप्रेस और मनवर संगम एक्सप्रेस के रेक को पारंपरिक आईसीएफ कोच से बदलकर आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच से लैस कर दिया गया है। बरेली से प्रयागराज संगम एक्सप्रेस नए एलएचबी कोच के साथ रवाना हो चुकी है। प्रयागराज संगम स्टेशन से यह ट्रेन 14 जुलाई से नए रेक के साथ पटरी पर दौड़ेगी।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली, कोर्ट ने यह दिया हवाला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने कहा कि लखनऊ की खंडपीठ के समक्ष समान मामले की सुनवाई चल रही है। ऐसी दशा में इस स्तर पर हाइकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई संभव नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के मामले की याचिका की सुनवाई को छह सप्ताह के लिए टाल दिया है। मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने कहा कि इस समान मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दो जजों की पीठ कर रही है। ऐसी दशा में इस स्तर पर हाइकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई संभव नहीं है।

बता दें कि पिछली सुनवाई

पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए 25 मई 2026 और 26 मई 2026 के उन सरकारी आदेशों को श्गैर–मौजूदश (असंवैधानिक) करार दिया, जिनसे चुनाव टाले गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये आदेश अधिनियम, 1947 की धारा 12 (3–ए) के तहत पारित किए गए थे, जिसे श्प्रमोद लाल पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्यश मामले में उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पहले ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

न्यायालय ने जोर दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 243 ई और 243 (के) के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच साल का निश्चित होता है और चुनाव समय पर होने चाहिए। राज्य सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लंबित होने को देरी का कारण बताया, जिस पर कोर्ट ने हैरानी जताई कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद ओबीसी आयोग ने अब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची 10 जून 2026 को प्रकाशित हो चुकी है और वे चुनाव कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन राज्य सरकार से आवश्यक लॉजिस्टिक्स न मिलने के कारण चुनाव में बाधा आ रही है।

ईयर डिवाइस से नकल कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 13 गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की सहायक बोरिंग टेक्नीशियन मुख्य परीक्षा में माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के जरिये नकल कराने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का एसटीएफ ने रविवार को भंडाफोड़ किया। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की सहायक बोरिंग टेक्नीशियन मुख्य परीक्षा में माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के जरिये नकल कराने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का एसटीएफ ने रविवार को भंडाफोड़ किया। एसटीएफ ने गिरोह से जुड़े 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें गिरोह के सदस्य, सॉल्वर और दो अभ्यर्थी शामिल हैं।

शनिवार को लखनऊ, गाजियाबाद और वाराणसी में आयोजित परीक्षा के दौरान नकल की आशंका के मद्देनजर पहले से निगरानी की जा रही थी। सूचना मिली थी कि प्रयागराज का एक गिरोह मोटी रकम लेकर माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से अभ्यर्थियों को नकल कराता है। सूचना पर एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने जाल बिछाकर वाराणसी के सिगरा और कोतवाली क्षेत्र स्थित दो परीक्षा केंद्रों और प्रयागराज के बहरिया स्थित रामगढ़ कोठारी में सॉल्वर गैंग से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई की।

इस दौरान दोनों जगहों से टीम ने दो अभ्यर्थियों समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरोह का सरगना शिवजीत पटेल और उसका सहयोगी राजेंद्र यादव उर्फ धीरेंद्र यादव मौके से फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एसटीएफ ने सिगरा और कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है।

पांच–पांच लाख में हुई थी डील

अभ्यर्थियों ने बताया कि परीक्षा पास कराने के लिए उनसे मोटी रकम वसूली गई। एक अभ्यर्थी धर्मेंद्र कुमार ने 3.75 लाख रुपये ऑनलाइन और 1.25 लाख रुपये नकद, जबकि दूसरे अभ्यर्थी विपिन कुमार वर्मा ने पांच लाख रुपये नकद व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के नाम पर 25 हजार रुपये दिए थे। आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, चार इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दो प्रिंटर, दो प्रवेश पत्र, दो प्रश्नपत्र और दो ओएमआर शीट बरामद हुई हैं।

प्रश्न हल के लिए दिए जाते थे 20 हजार रुपये

परीक्षा शुरू होने के बाद प्रश्नपत्र गुप्त तरीके से प्रयागराज पहुंचाया जाता था, जहां पहले से मौजूद सॉल्वर उसे हल करते थे। इसके बाद माइक्रो ईयर डिवाइस के जरिये वाराणसी के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों को सही उत्तर बताए जाते थे। सॉल्वरों को प्रश्न हल कराने के लिए 20–20 हजार रुपये दिए जाते थे। गिरोह परीक्षा केंद्रों के बाहर भी अपने लोगों को तैनात करता था, जो गतिविधियों पर नजर रखते थे।

बहरिया के रामगढ़ कोठारी निवासी कप्तान सिंह पटेल, ओम प्रकाश पटेल, सराय ममरेज के सोनबरसा निवासी राकेश कुमार पटेल, उतरांव बल्लीपुर यासीनपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह, फूलपुर निवासी लालता प्रसाद उर्फ गुड्डू, सोरांव, ग्राम डिहा मौरव निवासी अनुज कुमार पाल, उतरांव ग्राम मैथईपुर निवासी शिव प्रकाश पटेल, प्रतापगढ़ के थाना जेठवारा, ग्राम नंदा का पुरवा निवासी मनोज कुमार थाना पट्टी, ग्राम रायपुर निवासी विपिन कुमार वर्मा, पट्टी के ग्राम रमईपुर नेवादा निवासी धर्मेंद्र कुमार, लालगंज, ग्राम मुडियन का पुरा निवासी चंदर पट्टी, ग्राम बेसार सलाहपुर निवासी दीपक पटेल और प्रतापगढ़ के थाना पट्टी, ग्राम श्रीनाथपुर निवासी रविकांत वर्मा उर्फ अखिलेश शामिल हैं।

जैसा चाहिए, वैसा घर बनाकर देगा प्रयागराज विकास प्राधिकरण

प्रयागराज। आपको जैसा घर चाहिए, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) वैसा बनाकर देगा। वन बीएचके, टू बीएचके और थ्री बीएचके में क्या पसंद है, बस यह बताना है और पीडीए की प्रस्तावित आधुनिक आवासीय परियोजना में आप अपने घर का सपना पूरा कर सकेंगे।

आपको जैसा घर चाहिए, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) वैसा बनाकर देगा। वन बीएचके, टू बीएचके और थ्री बीएचके में क्या पसंद है, बस यह बताना है और पीडीए की प्रस्तावित आधुनिक आवासीय परियोजना में आप अपने घर का सपना पूरा कर सकेंगे। पहली बार पीडीए आम जनता की राय लेकर अपनी किसी आवासीय योजना को लॉन्च करने जा रहा है। इसके 12 जुलाई से तीन दिवसीय सर्वेक्षण शुरू कराया जा रहा है। पीडीए ने कसारी मसारी आवास योजना में एक आधुनिक आवासीय परियोजना विकसित किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस परियोजना के तहत विभिन्न श्रेणियों के आवास विकसित किए जाने की योजना है।

पीडीए ने परियोजना के संबंध में नागरिकों की रुचि एवं मांग का आकलन करने के लिए इच्छुक नागरिकों से मांग सर्वेक्षण प्रपत्र आमंत्रित किए हैं। हालांकि, पीडीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि मांग सर्वेक्षण प्रपत्र भरने या जमा करने से किसी भी प्रकार के आवास का आवंटन, आरक्षण या प्राथमिकता का अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

इच्छुक व्यक्ति 15 जुलाई तक किसी भी कार्य दिवस में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक तक इंदिरा भवन, सिविल लाइंस स्थित प्राधिकरण के कार्यालय में फॉर्म प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं। पीडीए ने इसके लिए 50 रुपये शुल्क निर्धारित किया है ताकि सर्वेक्षण की गंभीरता बनी रहे। पीडीए की मंशा है कि जो नागरिक आधुनिक समूह आवासीय परियोजना में आवास लेने के लिए गंभीर हैं, वही इस सर्वेक्षण में शामिल हों।

तीन श्रेणियों के लिए अलग–अलग कीमतें प्रस्तावित

कसारी मसारी आवास योजना में प्रस्तावित आधुनिक समूह आवासीय परियोजना में तीन श्रेणियों में फ्लैट की कीमतें अलग–अलग निर्धारित की गईं हैं। वन–बीएचके फ्लैट का अनुमानित मूल्य 20 लाख, टू–बीएचके का 25 लाख रुपये और थ्री–बीएचके का अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपये निर्धारित किया गया है।

सीधे आम लोगों को मिलेगा सर्वेक्षण का फायदा

सर्वेक्षण का फायदा सीधे आम लोगों को मिलेगा। आवासीय परियोजनाओं में अलग–अलग श्रेणियों के फ्लैट बनाए जाते हैं। अक्सर होता है कि सस्ते होने के कारण वन–बीएचके व टू–बीएचके फ्लैट की मांग अधिक होती है लेकिन उनकी संख्या सीमित होने से लोग अपने घर का सपना पूरा नहीं कर पाते। इस सर्वेक्षण के बाद पीडीए जनता की मांग के अनुरूप आवास तैयार करेगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस परियोजनाओं का फायदा उठा सकें।

सर्वेक्षण की जरूरत इसलिए महसूस की गई ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पीडीए जो परियोजना विकसित करने जा रहा है, उसमें किस श्रेणी के आवासों की मांग सबसे अधिक है। इस सर्वेक्षण का सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। जो लोग इस परियोजनाओं में आवास के लिए इच्छुक हैं, वे सर्वेक्षण में शामिल होकर अपने घर का सपना पूरा कर सकते हैं। – ऋषि राज, उपाध्यक्ष, पीडीए

चार साल तक टाइप-2 का गलत इलाज, जांच में निकली टाइप-वन डायबिटीज

प्रयागराज। कोरांव निवासी 29 वर्षीय महिला का चार साल तक मधुमेह का गलत इलाज होता रहा। इस कारण महिला के हाथ–पैर की नसें खराब हो गईं। इससे उसका चलना–फिरना मुश्किल हो गया। कोरांव निवासी 29 वर्षीय महिला का चार साल तक मधुमेह का गलत इलाज होता रहा। इस कारण महिला के हाथ–पैर की नसें खराब हो गईं। इससे उसका चलना–फिरना मुश्किल हो गया। महिला को करीब चार साल पहले डायबिटीज की शिकायत हुई थी। उसने गांव से लेकर शहर तक कई डॉक्टरों से उपचार कराया। डॉक्टरों ने दवा से महिला का डायबिटीज नियंत्रित करना चाहा, मगर शुगर नियंत्रित होने की बजाए बढ़ता गया। मरीज के हाथ–पैर की नसों में सूजन आ गई। इसके बाद परिजन महिला को स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय लेकर पहुंचे। वहां जांच में टाइप–टू की जगह टाइप–वन डायबिटीज की पुष्टि हुई। ऐसे में मरीज को दवाइयों की जगह इंसुलिन की डोज देना शुरू की गई। इसके बाद शुगर नियंत्रित होने लगी। खराब हो चुकी नसों को अब ठीक किया जा रहा है, लेकिन नसों का पूरी तरह से ठीक हो पाना मुश्किल है।

टाइप–वन में शरीर बिल्कुल इंसुलिन नहीं बनाता है। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है। जबकि टाइप–टू में शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता या इसका सही उपयोग नहीं कर पाता है। इसे इंसुलिन प्रतिरोध कहते हैं। टाइप–वन डायबिटीज के लक्षण आमतौर पर बहुत तेजी से कुछ ही दिनों या हफ्तों में विकसित होते हैं। इनमें बार–बार पेशाब आना (विशेषकर रात में), बहुत ज्यादा प्यास व भूख लगना शामिल है। बिना किसी कारण के तेजी से वजन घटना और अत्यधिक थकान व कमजोरी महसूस होना भी इसके लक्षण हैं। अगर दवा के कुछ दिनों बाद भी मरीज का शुगर लेबल नियंत्रित नहीं हो रहा है, तो बिना जांच के इंसुलिन की डोज शुरू की जा सकती है।

सावधान! जालसाज बिना ओटीपी के खातों से उड़ा रहे रकम

प्रयागराज। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ठगी का तरीका बदल दिया है। अब न तो पीड़ित के मोबाइल फोन पर ओटीपी आता है, न ही खाते से रकम निकलने का कोई मैसेज मिलता है। साइबर सेल में ऐसे मामले बहुतायत में पहुंच रहे हैं। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ठगी का तरीका बदल दिया है। अब न तो पीड़ित के मोबाइल फोन पर ओटीपी आता है, न ही खाते से रकम निकलने का कोई मैसेज मिलता है। साइबर सेल में ऐसे मामले बहुतायत में पहुंच रहे हैं। जांच में सामने आ रहा है कि जालसाज लोगों के मोबाइल फोन को हैक कर सीधे बैंक खातों को निशाना बना रहे हैं। साइबर सेल के अधिकारियों के मुताबिक, पहले ठग ओटीपी, एटीएम कार्ड की जानकारी या लिंक भेजकर लोगों को फंसाते थे। अब ठगी के नए तरीके में ओटीपी की जरूरत नहीं पड़ रही है। कई मामलों में मोबाइल एप, बैंकिंग एक्सेस या अन्य तकनीकी माध्यमों का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाली जा रही है। पीड़ितों को रकम निकलने के बाद ठगी का पता चलता है। पुलिस ऐसे मामलों में बैंकिंग ट्रांजैक्शन, मोबाइल गतिविधियों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। साइबर जांच में पता चला कि कई बार फर्जी लिंक, संदिग्ध एप, स्क्रीन शेयरिंग, डिजिटल एक्सेस या बैंकिंग जानकारी लीक होने के कारण ठग खाते तक पहुंच बना लेते हैं। इसके बाद रकम निकालने की कोशिश की जाती है। कई बार पीड़ित को बैंकिंग गतिविधि का पता देर से चलता है क्योंकि मोबाइल पर तुरंत अलर्ट नहीं पहुंचता।

बरतें ये सावधानियां

– संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और ना ही अनजान एप डाउनलोड करें

– संदिग्ध ट्रांजैक्शन दिखे तो तुरंत बैंक व साइबर हेल्पलाइन को सूचना दें।

– मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग या रिमोट एक्सेस वाले एप इंस्टॉल न करें।

– समय–समय पर बैंक खाते और यूपीआई ट्रांजैक्शन की जांच करते रहें।

– सार्वजनिक वाई–फाई नेटवर्क पर बैंकिंग से जुड़े काम करने से बचें।

– सोशल मीडिया पर अपनी निजी और बैंकिंग जानकारी साझा न करें।

– ठगी होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

केस–एक: कोतवाली एरिया निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उनके खाते से 96,500 रुपये सम्राट बैरागी नामक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर हो गए। इस लेन–देन की उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। न तो मोबाइल पर कोई ओटीपी आया और ना ही कोई फोन या मैसेज मिला। साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केस–दो: कौंधियारा निवासी रितेश जायसवाल ने बताया कि उनके बैंक खाते से सात लाख रुपये का ट्रांजैक्शन हो गया। रुपये कटने से पहले न तो कोई ओटीपी आया, न बाद में कोई मैसेज। बैंक गया तो रुपये कटने की जानकारी हुई। साइबर पुलिस मोबाइल नंबर व बैंक खाता नंबर के आधार पर ठगों की पहचान कर रही है।

थोड़ी सी सावधानी से साइबर ठगी से बचा जा सकता है। संदिग्ध लेनदेन होने पर तुरंत बैंक और साइबर हेल्पलाइन को सूचना दें। –घनश्याम यादव, साइबर सेल प्रभारी

संगम में चढ़ने लगा पानी, गंगा–यमुना के बढ़ते कदमों पर नजर

प्रयागराज। पहाड़ी और ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश का असर अब संगम नगरी में भी दिखने लगा है। रविवार शाम तक गंगा और यमुना दोनों नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, रविवार रात आठ बजे नैनी में यमुना का जलस्तर 72.90 मीटर दर्ज किया गया।

पहाड़ी और ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश का असर अब संगम नगरी में भी दिखने लगा है। रविवार शाम तक गंगा और यमुना दोनों नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, रविवार रात आठ बजे नैनी में यमुना का जलस्तर 72.90 मीटर दर्ज किया गया था। यह पिछले चार घंटे में 14 सेंटीमीटर बढ़ा है। गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 76.51 मीटर रहा, जहां आठ सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। छतनाग में गंगा का जलस्तर सबसे तेज बढ़ा और चार घंटे में 20 सेंटीमीटर बढ़कर 72.60 मीटर पहुंच गया।

प्रयागराज में खतरे का निशान 84.734 मीटर है, जिससे नदियां अभी काफी नीचे बह रही हैं। हालांकि जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए सिंचाई और बाढ़ खंड के अधिकारी निगरानी बनाए हुए हैं। प्रशासन का कहना है कि सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं। यदि ऊपरी क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में जलस्तर में और तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। इसी तरह दो दिन में ही करीब दो मीटर यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नैनी में 11 जुलाई की सुबह 71.48 मीटर था। सोमवार को सुबह 73.36 मीटर हो गया है।

पत्नी से विवाद के बाद फंदे से लटका मिला लाइनमैन का शव

प्रयागराज। करेली के नया पुरवा में शनिवार रात पारिवारिक विवाद के बाद लाइनमैन मनोज कुमार (35) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। करेली के नया पुरवा में शनिवार रात पारिवारिक विवाद के बाद लाइनमैन मनोज कुमार (35) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आशंका है की पत्नी से विवाद के बाद मनोज ने फंदे से लटककर जान दी। मृतक मनोज कुमार एक ठेकेदार के यहां लाइनमैन के रूप में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार उसकी पत्नी करीब एक सप्ताह से अपनी बहन के घर रह रही थी। शनिवार को मनोज बच्चों के कपड़े देने वहां गया था। इसी दौरान पति–पत्नी के बीच किसी बात पर विवाद हो गया।

मनोज के पिता भोलानाथ ने बताया कि बहू ने फोन कर दोनों के बीच हुए विवाद की जानकारी दी और किसी अनहोनी की आशंका भी जताई। इस पर वह तुरंत बेटे के कमरे में पहुंचे तो देखा कि वह फांसी लगाने की तैयारी कर रहा था। उन्होंने समझाने और रोकने का प्रयास किया, लेकिन मनोज ने विरोध करते हुए हाथापाई कर दी। इसके बाद वह पुलिस को सूचना देने निकल गए। जब वापस लौटे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खुलवाया गया तो मनोज फंदे से लटका मिला। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मनोज अपने पीछे बेटा ऋषभ और बेटी नित्या को छोड़ गया है। पूरामुफ्ती के मंदर देह माफी गांव निवासी मनोज (32) का रविवार सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छोटे भाई रूपचंद ने बताया कि मनोज पांच भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। वह मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता था। परिवार में पत्नी पूजा, दो बेटे और एक बेटी हैं।

संक्षिप्त

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से कार्यवाही की मांग को लेकर विधवा महिलाओं की गुहार

हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग, सम्पत्तियों व परिवारिक कारोबार पर किया कब्जा

लखनऊ (संवाददाता)। शहर की दो विधवा महिलाओं ने आज यहां उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से उनके निवास पर मुलाकात कर सम्पत्तियों को हड़पने, जान से मारने की नीयत पर घर पर हमला करवाने और परिवार के कारोबार संस्थान चाणक्य एडवर्टाइजर्स पर वहां के कर्मचारी से मिलकर कब्जा करने वाले मोनिश हसन व उनके साथियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गुहार लगायी। उप मुख्यमंत्री ने इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुये लखनऊ के डीसीपी से कार्यवाही करने के साथ आख्या मांगी है। इससे पहले आज यहां अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के साथ पहुंची पीड़ित महिलाओं ने पूरे मामले की जानकारी देते हुये डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को पत्र सौंपा। यह दोनों विधवा महिलायें बीते लगभग 45 वर्षों से शहर में विज्ञापन के क्षेत्र में कार्य कर रही प्रमुख एजेन्सी चाणक्य एडवर्टाइजर्स के मुखिया रहे दिवंगत चन्द्रभूषण त्रिपाठी की बहुयें है। डिप्टी सीएम को दिये गये पत्र में न्याय की गुहार लगाते हुये कहा कि लव और लैण्ड जिहाद की सोच के साथ पहले दिवंगत चन्द्रभूषण त्रिपाठी के बेटी से मोनिश हसन ने प्रेम विवाह किया उसके बाद परिवार के सभी पुरूषों का निधन हो जाने के बाद चन्द्रभूषण की पत्नी गीता त्रिपाठी को अपने पास बुलाकर परिवार की सम्पत्ति को पत्नी शिल्पी त्रिपाठी उर्फ अरशी हसन के नाम गिफ्ट डीड करवा कर हड़प ली और परिवार के मुखिया दिवंगत चन्द्रभूषण त्रिपाठी की विज्ञापन एजेन्सी चाणक्य एडवर्टाइजर्स पर भी वहां के कर्मी समीर पाठक के साथ सांठगांठ कर कब्जा जमा लिया, नतीजा दोनों विधवा महिलायें अपने नाबालिग बच्चों के साथ भरण–पोषण और न्याय के लिये दर–दर भटक रही है। डिप्टी सीएम को दिये गये पत्र में महिलाओं ने बताया कि बीते 21–22 जून की मध्यरात्रि को पीड़िताओं पर हमला करने की नीयत से चार लोग घर में खिड़की तोड़कर घुस आये थे, लेकिन एकाएक नींद खुलने और शोर मचाने पर चारों भाग गये, जिसकी एफआईआर गोमतीनगर थाने में दर्ज होने के बाद भी नामजद मोनिश, शाहबाज और दो अन्य की गिरफ्तारी पुलिस करने से बच रही है।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मिली ताकत, छोटे जिलों में भी संभाले जा रहे हाई रिस्क केस

आरआरटीसी योजना से हाई रिस्क प्रसव का इलाज

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार प्रदेश में मातृ मृत्यु दर कम करने व हर गर्भवती महिला को स्थानीय स्तर पर ही सुरक्षित प्रसव कराने के उद्देश्य से स्थानीय डॉक्टरों को हैंड आन ट्रेनिंग दे रही है, जिसका असर दिखने लगा है। ट्रेनिंग से मिले आत्मविश्वास से अब डॉक्टर हाई रिस्क वाले मामलों को रेफर नहीं कर रहे, बल्कि स्थानीय स्तर पर ही उनका इलाज कर रहे हैं। अब तक केजीएमयू व एएमयू के अधीन आने वाले आठ जिलों के डॉक्टरों को प्रशिक्षण देकर उनके कौशल का क्षमतावर्धन किया जा चुका है। अन्य जिलों के चिकित्सकों को बारी–बारी से ट्रेनिंग दिए जाने की तैयारी है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि प्रदेश में जिलास्तर पर डॉक्टर तो थे, लेकिन उच्च जोखिम गंभीर एनिमिया, हाई ब्लड प्रेशर, शॉक, एंटी पार्टम हैमरेज, पोस्ट पार्टम हैमरेज, लंबी प्रसव पीड़ा, बाधित प्रसव वाले केसों को संभालने का आत्मविश्वास नहीं था और वे ऐसे केसों को रेफर कर दिया करते थे। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वर्ष 2017 में रीजनल रिर्सोस एंड ट्रेनिंग कार्यक्रम डिजाइन किया गया और तय किया गया कि जच्चा–बच्चा का इलाज करने वाले जिलास्तरीय डॉक्टरों का क्षमता वर्धन किया जाए। पहले चरण में प्रदेश के 20 मेडिकल कॉलेजों को आरआरटीसी सेंटर बनाया गया और उनके माध्यम से आसपास के जिलों के डॉक्टरों के कौशल का क्षमतावर्धन किया गया। दूसरे चरण में अब हाईब्रिड माध्यम से डॉक्टरों का क्षमतावर्धन व हैण्ड आन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।सीतापुर जिला महिला अस्पताल के प्रशिक्षण प्राप्त पांच डॉक्टर्स ने पिछले तीन महीने में 2,218 सुरक्षित प्रसव किये, जो प्रसव एक से एक हाई रिस्क वाले थे। किसी का हीमोग्लोबिन 2 मिलीग्राम, किसी का ब्लड प्रेशर 200 पार, किसी में प्रसव के दौरान की जटिलताएं आदि। इस पर न किसी को रेफर किया गया और न किसी सीनियर को फोन लगाया गया। खुद सभी केस संभाले और जच्चा–बच्चा दोनों की जिंदगी सुरक्षित की।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की जनसुनवाई

जनता की समस्याओं के तत्काल निस्तारण के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई कर विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कई मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।जनसुनवाई में पेयजल, आवास, सफाई, विद्युत बिल संशोधन, अतिक्रमण हटाने, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य जनसमस्याओं से जुड़े अनेक प्रकरण सामने आए। मंत्री ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों से दूरभाष पर बात की तथा सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।लखनऊ निवासी विजय ने स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या बताते हुए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मंत्री एके शर्मा ने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उनका किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में बेहतर एवं समुचित उपचार सुनिश्चित कराने को कहा।

इसी क्रम में गोमतीनगर, लखनऊ से आए एक शिकायतकर्ता ने पेयजल की समस्या से अवगत कराया। मंत्री श्री शर्मा ने तत्काल नगर आयुक्त गौरव कुमार से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या का शीघ्र एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जनपद इटावा से आए फरियादी अतुल कुमार ने ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनसेवा और सुशासन के संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है।

18वाँ सामाजिक सत्याग्रह प्रकृति महायज्ञ संग भयहरण नाथ महादेव के समक्ष संपन्न

19 जुलाई से बकुलाही के अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने हेतु रचनात्मक संघर्ष शुरू होगा

मुख्यमंत्री को प्रतिनिधि मंडल से मिलने हेतु प्रत्यावेदन भेंजने का निर्णय

विधायक जीत लाल के साथ मिलकर ली प्रगति की जानकारी, बकुलाही पुनरोद्धार में उत्कृष्ट कार्य हेतु मोती लाल चौधरी को बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति एवं बकुलाही नदी पुनरोद्धार को लेकर 18 वाँ सामाजिक सत्याग्रह रविवार को बाबा भयहरणनाथ महादेव के समक्ष जारी रहा। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा धाम के महासचिव एवं बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर के संयोजन में आयोजित सत्याग्रह की शुरुआत प्रकृति महायज्ञ के रूप में वृहद पौधरोपण से की गई। लोक भारती के जिला संयोजक डी के शर्मा के सहयोग से शिव गंगा तालाब पर हरि–शंकरी पौधों का रोपण किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बकुलाही नदी पुनरोद्धार के अवशेष सरकारी कार्यों को पूर्ण कराने हेतु 19 जुलाई को बकुलाही मैया एवं भोले नाथ का पूजन कर रचनात्मक सामाजिक संघर्ष एवं सामूहिक सफाई अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

19 वाँ सामाजिक सत्याग्रह भी 19 जुलाई को यथावत जारी रहेगा। धाम एवं नदी के समग्र विकास हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से प्रतिनिधि मंडल की भेंट के लिए महासचिव द्वारा प्रत्यावेदन प्रेषित कर समय प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी ने दूरभाष पर सत्याग्रहियों को आश्वस्त किया कि इसी सप्ताह समस्या का निस्तारण कर दिया जाएगा।

सत्याग्रह के पश्चात विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल के साथ संयोजक समाज शेखर, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह व उपाध्यक्ष वित्त राजीव

नयन मिश्र सहित प्रमुख सदस्यों ने बकुलाही नदी के अवशेष प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा की। विधायक जी ने बताया कि तकनीकी कारणों से लगी रोक का समाधान हो गया है और जल्द कार्य प्रभावी होगा। उन्होंने 19 जुलाई के श्रमदान में सहभागिता का भरोसा भी दिया।

बकुलाही नदी पुनरोद्धार में 2011 से संयोजक के साथ कार्य करने वाले तत्कालीन प्रधान एवं वर्तमान सभासद मोती लाल चौधरी को अमर क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। भारतीय किसान यूनियन अम्बावता के जिला प्रभारी मो जलालुद्दीन के नेतृत्व में संगठन ने धाम को कब्जा मुक्त कराने एवं बकुलाही पुनरोद्धार के अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने तक संगठित सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि जिला इतिहास समिति के महामंत्री राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि भयहरण नाथ धाम एवं बकुलाही नदी का कार्य समाज के पुनर्जागरण का अद्वितीय उदाहरण है।

इस अवसर पर संरक्षक हीरा लाल जी, राम मन्दिर के पुजारी सीता राम बाबा, अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कार्य वाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, प्रबन्ध समिति सदस्य जय प्रकाश सिंह, भारतीय किसान संघ अम्बवता की जिला उपाध्यक्ष मुन्नी देवी, ब्लाक मांधाता अध्यक्ष राम बहादुर पटेल, राजेंद्र धुरिया, मन्दिर व्यवस्था उप संयोजक बुद्धि प्रकाश दुबे, सचिव मुरली पांडेय, मेला व्यवस्था सह सचिव शत्रुघन सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि राबिन पटेल, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, लाल पांडेय आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति के संबंध में समिति की बैठक सम्पन्न

नाव में लाइफ जैकेट, अग्निशमन यंत्र, रस्सी, पतवार, बैटरी संचालित प्रकाश व्यवस्था, सीटी और प्राथमिक उपचार सामग्री जैसी सुरक्षा किट अनिवार्य रूप से रहे उपलब्ध

समिति के गठन से नाव संचालन अधिक सुरक्षित होगा तथा नाविक समुदाय के जीवन स्तर में सुधार आएगा: डीएम

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति के संबंध में समिति की बैठक आयोजित हुई। सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी होंगे।

समिति का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित नौकाओं की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, नाव दुर्घटनाओं की रोकथाम, आपदा प्रबंधन तथा नाविकों और गोताखोरों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना है। समिति में पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन, सिंचाई, जिला पंचायत, नगर विकास, पर्यटन, अग्निशमन, राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ नाविक एवं मछुआरा समुदाय के एक प्रतिनिधि को भी समिति में शामिल किया गया है। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि नाविकों और उनके परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा और शासन द्वारा नाविकों के लिए निर्धारित जो भी सहायता मानक होंगे, उससे उन्हें लाभान्वित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि नौका सुरक्षा को लेकर सभी नौकाओं का एनरोलमेंट होना अनिवार्य है और हर नाव में नाविक को अपनी पहचान लिखनी होगी। उन्होंने कहा कि हर नाव में लाइफ जैकेट, अग्निशमन यंत्र, रस्सी, पतवार, बैटरी से संचालित प्रकाश व्यवस्था, सीटी और प्राथमिक उपचार सामग्री जैसी सुरक्षा किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे और साथ ही नाविकों को यात्रियों को जल सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी देने और जागरूक करने के लिए भी कहा है। नाविक समिति के अध्यक्ष के द्वारा घाटों के नजदीक टॉयलेट व चेंजिंग रूम बनवाए जाने के लिए जिलाधिकारी से आग्रह किया, जिस पर जिलाधिकारी ने घाट पर पर टॉयलेट व चेंजिंग रूम बनवाए जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि समिति के गठन हो जाने से नाव संचालन अधिक सुरक्षित होगा और नाविक समुदाय के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

प्रयागराज में नाव संचालन को सुरक्षित बनाने और नाविकों के सामाजिक–आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश सरकार की नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति के तहत जनपद में जिला जल परिवहन प्रबंधन, सुरक्षा एवं

दारागंज इलाके में एक वृद्धाश्रम लायंस क्लब बनाएगा: उदय चांदनी

प्रयागराज। लायंस इंटरनेशनल (डिस्ट्रिक्ट 321 ई) की वर्ष 2026–27 की प्रथम कैबिनेट सभा का आयोजन देर रात रविवार को प्रयागराज (नैनी)में स्थित होटल रमांशा इन में संपन्न हुआ। सभा की अध्यक्षता मंडलाध्यक्ष उदय चांदनी करते हुए उन्होंने सेवा कार्यों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि इस वर्ष संस्था द्वारा शहर के दारागंज इलाके में एक वृद्धाश्रम तथा अन्य स्थान पर एक विद्यालय का शिलान्यास कराने एवं निर्धन कन्याओं के विवाह व दिव्यांगों को सहायक उपकरण का वितरण भी कैंप लगाकर लाभान्वित करने की योजना हैं।आपसब का साथ चाहिए।उल्लेखनीय है कि संस्था के ग्लोबल कॉज जिन पर संस्था पूरे विश्व में कार्य कर उसका उन्मूलन कर रही है,जैसे अंधत्व, चाइल्डहुड, कैंसर, डायबिटीज, पर्यावरण, नारी व युवा सशक्तिकरण आदि क्षेत्र हैं। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में लायन जगदीश गुलाटी– चेयरमैन, यूनाइटेड ग्रुप उपस्थित थे। कार्यक्रम प्रयागराज रीजन के जोन चेयरपर्सन तथा राजमान्य लायन बंधुओं के सहयोग से आयोजित हुआ। प्रमुख रूप से उमेश कक्कड़, हिमांशु गुप्ता,डॉ मानस तिवारी,सतीश टण्डन, लाला भैया, बृजेंद्र बाजपेयी, बालाजी, जगमोहन अग्रवाल, शालू, शिव, डॉ राकेश सिंह,अंजना, मीना, आरती, पवन, नाजिम, सुशील, अनिल, बीरेन्द्र, मनोज, अजय, रोहित, अनूप सिंह, कमल क्रांति, गौरव गुप्ता, आर के आदि उपस्थित रहें।

सभी कुछ देती मिट्टी

गाँवों में बन खेत कराकर सबसे खेती।
भोजन,आश्रय,वस्त्र सभी कुछ मिट्टी देती।
बन हरियाली गीत हवाओं को हर्षा के।
भरती मधुर सुगंध प्रीत की वर्षा करके।
धरती है यह गाँव की सबका प्यारा ठाँव है।
पीकर सारी धूप को बनती केवल छाँव है।।

पाकड़ महुआ आम नीम अरु ताल–तलैया।
घर–आँगन के बीच जहाँ रहती गौरैया।
कल पुरजों से दूर बैल करते थे खेती।
रहते थे अति दूर जहाँ रहती थी रेती।
पावन माटी गाँव की जीवन का आधार है।
हरियाली जिसकी सदा कृषकों की मुस्कान है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वेतन न मिलने पर सीएम हेल्पलाइन कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) में कार्यरत कर्मचारियों ने वेतन का भुगतान नहीं होने के विरोध में सोमवार को साइबर टावर, गोमती नगर के विभूति खंड स्थित 1076 कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। बकाया वेतन की मांग को लेकर करीब 250 से अधिक कर्मचारी कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए जल्द भुगतान की मांग की। प्रदर्शन के चलते कार्यालय परिसर के बाहर काफी देर तक कर्मचारियों की भीड़ लगी रही। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन का भुगतान नहीं होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने बताया कि घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई, किराया और अन्य जरूरी भुगतान प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन के समक्ष अपनी समस्या रखी गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। कर्मचारियों ने मांग की कि लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए और भविष्य में समय पर वेतन जारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि नियमित रूप से सेवाएं देने के बावजूद उन्हें अपने वेतन के लिए आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अनिश्चितकालीन धरना और अन्य लोकतांत्रिक विरोध कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। प्रदर्शन के दौरान विभूति खंड स्थित 1076 कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। मौके पर स्थिति शांतिपूर्ण रही। समाचार लिखे जाने तक प्रबंधन या संबंधित अधिकारियों की ओर से कर्मचारियों की मांगों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

बलेनो कार रेलिंग तोड़ डिवाइडर से टकराई, 2 युवक गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानीलखनऊ के कैसरबाग में सोमवार सुबह तेज रफ्तार के कारण बड़ा हादसा हो गया। गुरु गोविंद सिंह मार्ग स्थित पीआर पैलेस के पास एक बलेनो कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का इलाज केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब 6.46 बजे पीआरवी के माध्यम से दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मारुति बलेनो (यूपी 32जेवाई 6929) ओवरब्रिज से उतरते समय अनियंत्रित होकर रेलिंग और डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में घायल सुमाल्या तिवारी (20 वर्ष) और ओम गुप्ता को पीआरवी कर्मियों ने तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। दोनों का इलाज जारी है और परिजन अस्पताल में मौजूद हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शुरुआती जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। वाहन मालिक की पहचान होने के बाद क्षतिग्रस्त कार उन्हें सौंप दी गई। फिलहाल कैसरबाग पुलिस मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भगवान जगन्नाथ के रथ को थाईलैंड के फूलों से सजाने की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भगवान जगन्नाथ के रथ को थाईलैंड के फूलों से सजाने की तैयारी है। 25–25 फीट ऊंचे रथ होंगे। रथ खींचने वाले श्रद्धालुओं को 256 तरह के प्रसाद बांटे जाएंगे। विंटेज कारों पर झांकियां निकाली जाएंगी। ये सब दृश्य राजधानी के अलग–अलग मंदिरों से 16 जुलाई को निकाली जाने वाली जगन्नाथ रथयात्रा में दिखाई देंगे। जगन्नाथ रथयात्रा में श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को खींचने का सौभाग्य मिलेगा। चारबाग, डालीगंज, राजाजीपुरम, अलीगंज, चौक आदि की रथयात्रा प्रमुख यात्राओं में गिनी जाती हैं। इस्कॉन मंदिर का रथ करीब 25 फीट ऊंचा होगा। अलीगंज का रथ भी लगभग 25 फीट ऊंचा रहेगा। चौक क्षेत्र में निकलने वाले रथ की ऊंचाई करीब 9 फीट, माधव मंदिर के रथ की ऊंचाई 15 से 20 फीट के बीच रहेगी, जबकि राजाजीपुरम के रथ की ऊंचाई करीब 12 फीट होगी। श्री राधा माधव सेवा संस्थान के प्रवक्ता अनुराग साहू बताते हैं– रथयात्रा 16 जुलाई को श्री माधव मंदिर, डालीगंज से निकाली जाएगी। शाम 4 बजे आरती के बाद भगवान जगन्नाथ को रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। यात्रा डालीगंज से नजीरगंज, शंकर नगर, न्याय नगर, रामकृष्ण मठ, फैजाबाद रोड, बाबूगंज और डालीगंज पुल होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी। रथ को करीब पांच क्विंटल फूलों से सजाया जाएगा। विंटेज कारों पर राधा–कृष्ण, हनुमान और भगवान शंकर की झांकियां निकाली जाएंगी। अयोध्या का फरुवाही नृत्य दल, राजस्थान के लोक कलाकार, महाराष्ट्र के ढोल वादक और उज्जैन के महाकाल की डमरू ध्वनि यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। भगवान जगन्नाथ को चांदी का मुकुट और विशेष राजस्थानी पोशाक पहनाई जाएगी। देश–विदेश से मंगाए गए फूलों से उनका विशेष शृंगार होगा। राजाजीपुरम में श्री जगन्नाथ रथयात्रा सेवा समिति की ओर से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा एक ही रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। वहीं वृंदावन से आई भक्तों की टोली पूरे मार्ग में भजन–कीर्तन करेगी। अलीगंज में श्री महावीर ट्रस्ट की ओर से निकाली जाने वाली रथयात्रा में चांदी की प्राचीन पारंपरिक झाड़ू से मार्ग की सफाई की जाएगी।

सम्पादकीय.....

वैश्विक स्तर पर कड़ी कार्रवाई: भारत के लिए एक अवसर

कई देशों की संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा महाद्वीपों में फैले नैटवर्क के साथ अंतर्राष्ट्रीय अपराध गिरोहों के खिलाफ चलाया गया बहु–एजेंसी अभियान स्वागत योग्य है। भारत ने जांच में सक्रिय रूप से सहयोग किया है। जांच के निष्कर्ष दिल्ली के इस लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुष्टि करते हैं कि विदेशों में सक्रिय आतंकी गुटों में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। वर्षों से, भारतीय सरकार को जून 2023 में सरे में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संलिप्तता के आरोपों का सामना करना पड़ा था। इस हत्या और तत्कालीन जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा चलाए गए सार्वजनिक दुष्प्रचार अभियान ने द्विपक्षीय संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया था। अब, रॉयल कैनेडियन माऊंटेड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सार्वजनिक बयान, जिनकी जांच का हवाला पहले भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान पर संदेह पैदा करने के लिए दिया जाता था, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में नए कनाडाई नेतृत्व की परिपक्वता को दर्शाते हैं। उन्होंने न केवल दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए, बल्कि व्यापार और शिक्षा में सहयोग को गति देने के लिए भी कदम उठाए हैं। कई भारतीय छात्रों के लिए कनाडाई विश्वविद्यालय लंबे समय से पसंदीदा गंतव्य रहे हैं लेकिन राजनयिक गतिरोध ने शैक्षिक आदान–प्रदान को बाधित कर दिया था। ओटावा से मिले नए संकेतों से लोगों के बीच संबंधों को नई गति मिलनी चाहिए। ऑप्रेशन हार्ड बॉल ने कनाडा ही नहीं बल्कि अमरीका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय प्रवासियों को निशाना बनाने वाले आपराधिक गिरोहों की अंतर्राष्ट्रीय पहुंच को उजागर किया है। भारतीय सुरक्षा एजैंसियां संगठित अपराध और आतंकी नैटवर्क के बीच उभरते गठजोड़ की ओर इशारा करने वाली पहली एजैंसियों में से थीं। इस गठजोड़ ने अलगाववादी समूहों को अपने एजैंडे को वित्तपोषित और कायम रखने में सक्षम बनाया, जबकि सुरक्षा एजैंसियों को ड्रग्स, आतंकवाद और अलगाववाद में एक साथ शामिल गिरोहों का सामना करने के लिए मजबूर किया। जबरन वसूली के फोन, जो कभी मुंबई के पुराने अंडरवर्ल्ड से जुड़े थे, अब विदेशों में बसे भारतीयों को आतंकित करने के लिए आपराधिक गिरोहों का पसंदीदा हथियार बन गए हैं। साथी भारतीयों को शिकार बनाते हुए, इन नैटवर्कों ने प्रवासी भारतीयों की प्रतिष्ठा को भी धूमिल किया है, अक्सर कमजोर छात्रों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करके। यह अभियान भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करता है। यह भारत के लिए घरेलू गिरोहों और जबरन वसूली करने वाले गिरोहों को खत्म करने का भी एक मौका है, जो देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापारियों को लगातार निशाना बना रहे हैं। संदेश स्पष्ट होना चाहिए। गिरोह संस्कृति की चकाचौंध में फंसे युवाओं को यह समझना होगा कि यह रास्ता सत्ता या समृद्धि की ओर नहीं, बल्कि जेल या देश निकाला की ओर ले जाता है। जो गिरोह कभी अछूत माने जाते थे, अब विभिन्न न्यायक्षेत्रों में उनका पीछा किया जा रहा है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संगठित अपराध एक लाभदायक धंधा न रहे, बल्कि उसे उसके वास्तविक स्वरूप में देखा जाए–एक उच्च जोखिम वाला, शून्य लाभ वाला धंधा।

'आई.एन.एस. महेंद्रगिरि' से बदलेगा हिंद महासागर में संतुलन

रक्षा मंत्री राजनाथ ने 11 जुलाई को विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना को अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट 'आई.एन.एस. महेंद्रगिरि' समर्पित किया। भारतीय नौसेना के बेड़े में इस स्टील्थ फ्रिगेट के शामिल होने के साथ भारत ने केवल एक नया युद्धपोत प्राप्त नहीं किया, बल्कि समुद्री शक्ति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक क्षमता के एक नए युग में निर्णायक प्रवेश किया है। यह भारत की महत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट–17ए शृंखला का छठा स्टील्थ फ्रिगेट है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है, जब हिंद महासागर क्षेत्र विश्व की सबसे महत्वपूर्ण सामरिक प्रतिस्पर्धाओं का केंद्र बन चुका है। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, इंडो–पैसिफिक में शक्ति संतुलन और उभरती समुद्री चुनौतियों के बीच आई.एन.एस. महेंद्रगिरि भारत की नौसैनिक क्षमता को एक नया आयाम प्रदान करता है। महेंद्रगिरि की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है तथा इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। यह केवल एक रक्षा परियोजना नहीं, बल्कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, अनुसंधान, डिजाइन कौशल और औद्योगिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों, प्रणालियों और तकनीकों का उपयोग किया गया है। सैंकड़ों भारतीय कंपनियों तथा बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एम.एस.एम.ई.) ने इसमें योगदान दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत अब रक्षा उपकरणों का आयातक भर नहीं, बल्कि अत्याधुनिक सैन्य प्लेटफॉर्म विकसित करने वाला आत्मनिर्भर राष्ट्र बनता जा रहा है।आई.एन.एस. महेंद्रगिरि का नाम ओडिशा की पूर्वी घाट पर्वतमाला के प्रसिद्ध महेंद्रगिरि पर्वत के नाम पर रखा गया है, जो दृढ़ता, साहस और अटल संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इसकी लंबाई लगभग 149 मीटर, विस्थापन लगभग 6,670 टन तथा अधिकतम गति लगभग 28 नॉट है। इसमें लगभग 225 से 230 अधिकारी एवं नौसैनिक तैनात रह सकते हैं। इसकी परिचालन क्षमता इसे लंबी दूरी तक लगातार समुद्री निगरानी और युद्ध संचालन में सक्षम बनाती है। महेंद्रगिरि की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्टील्थ तकनीक है। आधुनिक नौसैनिक युद्ध में केवल हथियारों की शक्ति पर्याप्त नहीं होती, बल्कि दुश्मन की निगरानी प्रणाली से बचकर कार्य करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस युद्धपोत का विशेष डिजाइन, कोणीय संरचना, राडार–अवशोषक सामग्री तथा कम तापीय एवं ध्वनिक हस्ताक्षर (सिग्नेचर) इसे दुश्मन के राडार, इन्फ्रारैड और सोनार प्रणालियों के लिए अत्यंत कठिन लक्ष्य बना देते हैं। यही कारण है कि इसे समुद्र का 'अदृश्य शिकारी' कहा जा रहा है। यह दुश्मन की जानकारी में आए बिना उसके समीप पहुंचकर सटीक और घातक प्रहार करने की क्षमता रखता है। महेंद्रगिरि हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद पनडुब्बियों से आने वाले खतरों का एक साथ सामना कर सकता है। इसके लिए इसमें अत्याधुनिक मल्टी–लेयर रक्षा प्रणाली विकसित की गई है। हवाई हमलों से सुरक्षा के लिए इसे बराक–8 लंबी दूरी की एयर डिफैंस मिसाइल प्रणाली से लैस किया जा सकता है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हैलीकॉप्टरों, ड्रोन और मिसाइलों को लंबी दूरी पर ही नष्ट करने में सक्षम है। समुद्री सतह पर मौजूद दुश्मन के जहाजों के विरुद्ध इसकी सबसे बड़ी शक्ति विश्व की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस है, जिसकी तैनाती इस युद्धपोत पर की जा सकती है। लगभग 3 मैक की गति से उडने वाली यह मिसाइल दुश्मन के बड़े से बड़े युद्धपोत को कुछ ही मिनटों में ध्वस्त करने की क्षमता रखती है। पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए महेंद्रगिरि अत्याधुनिक सोनार प्रणाली, टॉरपीडो तथा एंटी–सबमरीन रॉकेट प्रणाली से लैस है। समुद्र की गहराइयों में छिपी शत्रु पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना आधुनिक नौसैनिक युद्ध का सबसे कठिन कार्य माना जाता है, किंतु महेंद्रगिरि इस चुनौती के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इसके साथ ही इसमें 76 मि.मी. की तोप भी स्थापित की जा सकती है, जो निकट दूरी के समुद्री एवं तटीय लक्ष्यों पर अत्यंत प्रभावी प्रहार कर सकती है। महेंद्रगिरि की तकनीकी श्रेष्ठता केवल हथियारों तक सीमित नहीं, इसमें अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमैंट सिस्टम लगाया गया है, जो जहाज के इंजन, विद्युत आपूर्ति, नेविगेशन, अग्निशमन, सुरक्षा और अन्य प्रमुख प्रणालियों का केंद्रीकृत एवं स्वचालित नियंत्रण करता है। इससे संचालन अधिक सुरक्षित, तेज और कुशल बनता है। इसके अतिरिक्त युद्धपोत में अत्याधुनिक इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणाली और मल्टी–फंक्शन राडार लगाए गए हैं, जो एक साथ अनेक लक्ष्यों की पहचान, निगरानी और ट्रैकिंग कर सकते हैं। महेंद्रगिरि पर आधुनिक नौसैनिक हैलीकॉप्टरों, विशेष रूप से एम.एच.–60आर जैसे मल्टी–रोल हैलीकॉप्टरों के संचालन की सुविधा भी उपलब्ध है। ये हैलीकॉप्टर समुद्री निगरानी, पनडुब्बी खोज एवं बचाव अभियान तथा विशेष सैन्य अभियानों में युद्धपोत की क्षमता को कई गुना बढ़ा देते हैं। महेंद्रगिरि भारत के उस दीर्घकालिक लक्ष्य को भी मजबूत करता है, जिसके तहत भारतीय नौसेना को एक पूर्ण विकसित 'ब्लू वॉटर नेवी' के रूप में स्थापित किया जा रहा है। ब्लू वॉटर नेवी वह होती है, जो अपने तटीय क्षेत्रों तक सीमित न रहकर हजारों किलोमीटर दूर महासागरों में भी प्रभावी सैन्य उपस्थिति बनाए रख सके। आई.एन.एस. महेंद्रगिरि भारतीय नौसेना की शक्ति, भारत की वैज्ञानिक क्षमता, स्वदेशी तकनीक और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का जीवंत प्रतीक है। आने वाले वर्षों में जब ड्क्षहद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, इंडो–पैसिफिक की स्थिरता और वैश्विक समुद्री संतुलन की चर्चा होगी, तब आई.एन.एस. महेंद्रगिरि निरूसंदेह भारत की उस नई समुद्री शक्ति का प्रतिनिधित्व करेगा, जिसने आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक और अदम्य संकल्प के बल पर विश्व की अग्रणी नौसैनिक शक्तियों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ कर लिया है।–योगेश कुमार गोयल

बोरवैल में दम तोड़ती जिंदगी

दीपिका अरोड़ा

हादसों पर हादसे मानो हमारी नियति बन चुके हैं। धू–धू जलती इमारतें, ताश के पत्तों की तरह बिखरते जर्जर भवन, घटिया निर्माण सामग्री का संताप भोगते पुल, अनहोनी को न्यौता देते खुले बोरवैल–मैनहोल, कुल मिलाकर नियमोल्लंघन की धृष्टता में यहां क्या कुछ नहीं होता? इसी अवहेलनात्मक रवैये ने हरियाणा में एक मासूम को असमय ही हमसे छीन लिया। बीते दिनों अंबाला के गांव ध न्यौड़ा में लापरवाहीवश खुले छोड़े गए 220 फुट गहरे बोरवैल में गिरना, 4 वर्षीय निरवैर सिंह उर्फ निर्भय की अकाल मृत्यु का कारण बना। स्मरण करें तो ऐसा ही एक हादसा वर्ष 2006 के दौरान कुरुक्षेत्र में भी घटा था। प्रिंस नामक बालक के बोरवैल में गिरने की खबर ने समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख दिया। तब युद्धस्तर पर चले सामूहिक अभियान में प्रिंस को सही–सलामत बाहर निकालने में कामयाबी मिलना हर किसी के लिए राहत का विषय था लेकिन इस बार हालात सर्वथा विपरीत रहे। सेना, नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, पुलिस तथा दूसरी एजैंसियों द्वारा लगातार 21 घंटे अनथक प्रयास करने के बावजूद निरवैर को बचाना संभव नहीं हो पाया। कानूनी कार्रवाई तथा दिशा–निर्देशों की बात करें तो सर्वोच्च न्यायालय दशकों पहले ही स्पष्ट निर्देश दे चुका है कि नए बोरवैल की खुदाई से पूर्व स्थानीय प्रशासन को सूचित करना अनिवार्य होगा। बोरवैल के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। अनुपयोगी होने पर बोरवैल को मलबे–मिट्टी से पूरी तरह भरने के पश्चात, मजबूत लोहे का ढक्कन लगाकर स्थायी तौर पर बंद करना होगा। नियम–कानून बने तो अवश्य, लेकिन हकीकत में लागू कहां हो पाते हैं? हालिया हादसे में भी परिजनों के आरोपानुसार, खेत के मालिक ने बोरवैल से मोटर निकालने के बाद, गड्ढा भरने की बजाय खुला ही छोड़ दिया। कहीं न कहीं यहां स्थानीय प्रशासन की अनभिज्ञताध्उदासीनता भी दृष्टिगोचर होती है। दो–टूक शब्दों में, मानवीय त्रुटि व प्रशासनिक उदासीनता ने एक परिवार का कुलदीपक छीन लिया। बचाव कार्यों व आपातकालीन सहायता के विषय में भले ही भारतवर्ष दस कदम आगे हो, किंतु नियम अनुपालन के मसले में अन्य कई राष्ट्रों के मुकाबले इसे कहीं पिछड़ा पाएंगे। न तो नागरिक अपने कत्तव्यों के प्रति सचेत हैं, न ही व्यवस्थात्मक स्तर पर कर्त्तव्यपरायणता का बोध होता है। राज्यों द्वारा निजी स्तर पर दिशा–निर्देश दिए जाने के बावजूद नियमों में कोताही आम देखी जा सकती है। यदि बोरवैल खुला छोडने वालों का व्यवहार गैर–जिम्मेदाराना है, तो तंत्र भी अमूमन दुर्घटना घटने के बाद ही हरकत में आता है। 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बीच विभिन्न प्रांतों से ऐसी अनेक घटनाओं के समाचार आते रहना सबक न सीखने की आदत के जीवंत प्रमाण हैं। आज भी देश में अनुपयोगी कुंओं की भरमार है। जीर्ण–शीर्ण अवस्था में खुले पड़े ये कूप किसी अनहोनी को दावत दे रहे हैं। पंजाब की ही बात लें, अनवरत गिरता भूजल स्तर बड़ी संख्या में खोदे गए बोरवैल अनुपयोगी बना रहा है। लगभग 14 लाख बोरवैल तथा कुएं प्रयोग करने योग्य नहीं रहे। कृषि विभाग के मुताबिक, इनमें से करीब 10 लाख बोरवैल खुले छोड़ दिए गए हैं।

`बकुलाही का भगीरथ'

यूँ ही कोई भगीरथ नहीं बन जाता,
एक पैर पर खड़े होकर तप करना पड़ता है।
लाखों प्यासों की आहें सीने में भरनी पड़ती हैं,
फिर जाकर गंगा धरती पर उतरती है।

25 बरस से मरी थी मेरी बकुलाही मैया,
18 कोस की धारा रेत में दफ़न थी।
हरियाली रोती थी, पक्षी रूठ गए थे,
दो दर्जन गाँवों की साँसें अटकी थीं।

तब एक नौजवान उठा धूल से,
नाम था उसका ष्समाज शेखरष्।
आँखों में संकल्प, हाथ में फावड़ा,
और दिल में बकुलाही की लहर।

आलोचनाएं तीर सी चलीं,
अपनों ने भी पीठ दिखाई।
पर वो झुका नहीं, वो रुका नहीं,
ष्बकुलाही जिएगीष् बस यही दोहराई।

आज हर रविवार सत्याग्रह होता है,
बाबा भयहरणनाथ गवाह बनते हैं।
मुर्दा नदी में फिर से जान लौट रही,
क्योंकि एक भगीरथ फिर से जन्मा है।

नमन उस संकल्प को, नमन उस जिद को,
जिसने रेत से नदी निकाल दी।
जय बकुलाही... जय समाज शेखर...
यूँ ही कोई भगीरथ नहीं बन जाता।

सागर सत्यार्थी

मध्य शक्तियां और चौथी औद्योगिक क्रांति की राजनीति

मनीष तिवारी

अमरीका के पूर्व रक्षा सचिव ने 12 फरवरी, 2002 को प्रसिद्ध रूप से कहा था कि 'जैसा कि हम जानते हैं, कुछ चीजें ऐसी हैं जो हम जानते हैं कि हम जानते हैं। कुछ चीजें ऐसी हैं जो हम जानते हैं कि हम नहीं जानते लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें हम नहीं जानते कि हम नहीं जानते।' हालांकि रुम्सफील्ड के ये शब्द सद्दाम हुसैन के शासनकाल के ईराक द्वारा विभिन्न आतंकवादी समूहों को 'सामूहिक विनाश के हथियारों' की आपूघ्त के संबंध में सबूतों के पूर्ण अभाव के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में थे। यद्यपि इस टिप्पणी ने उन्हें 2002 का 'फुट–इन–द–माऊथ' पुरस्कार (राजनीतिक अस्पष्टता की बकवास के लिए) दिलाया लेकिन चौथी औद्योगिक क्रांति की प्रौद्योगिकियों के विकासवादी प्रक्षेपवक्र और मानव जाति पर उनके प्रभाव के मामले में यह बहुत सटीक है। यह कहना सामान्य बात होगी कि अमरीका और चीन चौथी औद्योगिक क्रांति की प्रौद्योगिकियों में अग्रणी हैं। जबकि अमरीका क्वांटम कम्प्यूटिंग, सैमी–कंडक्टर, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में व्यापक रूप से आगे है, वहीं चीन इलैक्ट्रिक बैटरी, हाइपरसोनिक, सौर प्रौद्योगिकी, 6–जी नैटवर्क और ड्रोन एवं रोबोटिक्स में नेतृत्व कर रहा है। ये दोनों देश आघ्टफिशियल इंटैलिजैंस, उन्नत सामग्री, क्वांटम सैंसर, मशीन लघ्नग और नैनो टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पध र्ा कर रहे हैं। यह सूची सांकेतिक है, न कि विस्तृत। हालांकि, एक व्यापक वास्तविकता की जांच अनिवार्य है। अमरीका और उसके निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता चौथी पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के सैन्य अनुप्रयोगों के क्षेत्र में विशेष रूप से बढ़ रही है। शी जिनपिंग ने हाल ही में इस संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए यह रेखांकित किया कि क्या अमरीका और चीन 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' से उबर सकते हैं और महाशक्तियों के बीच संबंधों के लिए एक नया प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं? यह फ्रंटियर प्रौद्योगिकियों में अपनी बड़ी बढ़त का लाभ उठाने वाली एक संभावित जी–2 हो सकती है। मध्य शक्तियां संरचनात्मक रूप से उस महाशक्ति व्यवस्था पर निर्भर हैं, जिसकी वे आलोचना तो करती हैं लेकिन उसे बदल नहीं सकतीं। एक उदार और अंतर्राष्ट्रीयवादी व्यवस्था मध्य शक्तियों को कुछ ध्यान देने, गठबंधनों की सदस्यता देने और सैन्य और राजनयिक समर्थन के बदले में मानदंड–निर्धारण में भागीदारी की अनुमति देने के लिए तैयार थी। आज का अमरीकी प्रशासन ऐसे खाकों के प्रति तिरस्कार प्रदर्शित करता है। ट्रम्प प्रशासन मध्य शक्तियों को थोड़ी ढील दे सकता है और वह भी केवल हाशिए पर लेकिन वह अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के केंद्र को आकार देने के मध्य शक्तियों के प्रयासों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं, विशेष रूप से तब जब ऊर्त्र (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) का भूत सक्रिय रूप से वैश्विक व्यवस्था के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को फिर से डिजाइन करने की कोशिश कर रहा है। जब मध्य शक्तियां और कम विकसित राष्ट्र निजी तकनीक दिग्गजों की सद्भावना और असंख्य व्यापारिक हितों पर निर्भर रहेंगे, जिनका राजस्व अधिकांश विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के जी.डी.पी. से अधिक है, तो हार्ड और सॉफ्ट पावर के संदर्भ में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने में क्या प्रभावशीलता है? हालांकि यहां भी वास्तविकता निराशाजनक है। उदाहरण के तौर पर, केवल आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) पर, चीन डाटा हब बनाने के लिए अगले 5 वर्षों में 295 बिलियन अमरीकी डॉलर खर्च करेगा।

चीन ने अकेले 2025 में ए.आई. पर 98 बिलियन अमरीकी डॉलर खर्च किए। चीन का सरकारी खर्च 56 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अमरीका स्थित 5 निजी कंपनियां–अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और ओरेकल–सामूहिक रूप से 2026 में 700 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश करेंगी। इसकी तुलना में, भारत का ए.आई. मिशन 2025–2030 के बीच केवल 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर खर्च करेगा। फिर इतने दिखावटी ए.आई. शिखर सम्मेलन आयोजित करने का क्या उद्देश्य है, जब अपनी बात पर अमल करने की कोई इच्छाशक्ति ही नहीं है? इसलिए मध्य शक्तियों को यह तय करना होगा कि क्या वे वैश्विक ए.आई. अर्थव्यवस्था के मध्य प्रबंधन को प्रशिक्षित करना चाहती हैं, या इसके सी–सूट का निर्माण करना चाहती हैं। जब तक मध्य शक्तियों के पास अपने स्वयं के आधारभूत मॉडल नहीं होंगे, वे हमेशा प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर हाशिए पर रहेंगी, क्योंकि डीप और बिग टैक का क्षितिज घातीय गति से विकसित और विस्तारित हो रहा है। यह केवल भारी सार्वजनिक निवेश या बहुत गहन सार्वजनिक–निजी भागीदारी के साथ ही हो सकता है, क्योंकि अत्याधुनिक 2026 फ्रंटियर रन को मुद्रीकृत करने से पहले उन्हें बनाने और संचालित करने में 2 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का खर्च आ सकता है। ए.आई. केवल एक उदाहरण है, ऐसी अनगिनत अन्य फ्रंटियर प्रौद्योगिकियां हैं, जो मानवीय अस्तित्व के तौर–तरीकों को फिर से आकार दे रही हैं। मध्य शक्तियां यदि चाहें, तो अनुसंधान और विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर विकास, कर्मियों के कौशल, तैनाती और पैमाने पर प्रौद्योगिकियों को लागू करने तथा लचीलापन और अतिरेक क्षमता निर्माण के लिए संसाधनों को एकत्रित करके अपनी सामूहिक ताकत का लाभ उठा सकती हैं। यहीं पर जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, भारत, यू.ए.ई., कतर, सऊदी अरब, तुर्की, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, ब्राजील, अर्जेंटीना और चिली जैसे देश अपनी क्षमता से कम प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने आंतरिक अभिसरण का लाभ नहीं उठा रहे। यही वह जगह है जहां सामूहिक ताकत निहित है लेकिन व्यावहारिक सहयोग तो दूर, इसका बौद्धिक निर्माण भी अस्पष्टता के दायरे में बना हुआ है।

विपत्ति में ही अवसर होता है और इस तथ्य को देखते हुए कि द्वितीय विश्व युद्ध और शीत युद्ध के विजेताओं द्वारा निर्मित उदार लोकतांत्रिक पोस्ट–कोल्ड वॉर व्यवस्था को उसके अपने निर्माता द्वारा ही उलट दिया गया है, इसलिए मध्य शक्तियों को क्षेत्रीय रक्षा सहयोग को तेज करना चाहिए और विशिष्ट शैलियों में वैश्विक प्रौद्योगिकी आधारित गठबंधन बनाने चाहिएं, विशेष रूप से आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं के क्षेत्र में, यह देखते हुए कि पिछले 4 वर्षों में सैन्य मामलों में क्रांति आई है। यदि मध्य शक्तियों के लिए कभी कोई क्षण था, तो वह यहीं और अभी है।

2026 में रितेश देशमुख का दमदार जलवा, फिल्मों से लेकर होस्टिंग तक हर मंच पर छोड़ी अपनी छाप

अभिनय, निर्देशन, फिल्म निर्माण और होस्टिंग रितेश देशमुख ने 2026 में मनोरंजन जगत के लगभग हर क्षेत्र में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। साल के पहले छह महीनों में उन्होंने बड़े पर्दे, ओटीटी और टेलीविजन जैसे अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए यह साबित किया कि वह सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी कलाकारों में भी शामिल हैं।

साल की शुरुआत रितेश देशमुख की महत्वाकांक्षी फिल्म राजा शिवाजी से हुई, जिसमें उन्होंने निर्देशक और मुख्य अभिनेता दोनों की जिम्मेदारी निभाई। छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रेरणादायक जीवन पर आधारित इस फिल्म में रितेश ने अपने अभिनय के साथ–साथ निर्देशन कौशल की भी प्रभावशाली झलक दिखाई। यह फिल्म उनके करियर का एक अहम पड़ाव साबित हुई और उन्हें बड़े स्तर के फिल्ममेकर के रूप में नई पहचान दिलाने में सफल रही। ऐतिहासिक किरदार निभाने के बाद रितेश अपनी सबसे पसंदीदा शैली कॉमेडी में लौटे। धमाल 4 में उन्होंने एक बार फिर अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मल्टीस्टारर स्टारकास्ट के साथ उनकी सहज कॉमिक परफॉर्मेंस ने यह दिखाया कि गंभीर और हास्यप्रधान दोनों तरह की भूमिकाओं में वह समान रूप से प्रभाव छोड़ने की क्षमता रखते हैं। 2026 में रितेश ने अपने करियर में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए रियलिटी शो श्लॉक अप 2.0श के होस्ट की भूमिका भी संभाली। अपने सहज अंदाज, हाजिरजवाबी और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के दम पर वह शो को और अधिक मनोरंजक बना रहे हैं। मराठी बिग बॉस की सफल मेजबानी के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने एक प्रभावशाली होस्ट के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है। रितेश देशमुख के लिए 2026 सिर्फ कई बड़े प्रोजेक्ट्स का साल नहीं, बल्कि उनकी बहुआयामी प्रतिभा का सबसे मजबूत प्रदर्शन भी बनकर उभरा है। जहाँ कई कलाकार एक ही तरह की भूमिकाओं तक सीमित रहते हैं, वहीं रितेश लगातार नए विषयों, अलग–अलग शैलियों और विविध माध्यमों में खुद को चुनौती देते हुए आगे बढ़ रहे हैं। अभिनय, निर्देशन, कॉमेडी और होस्टिंग हर क्षेत्र में उनकी सफल मौजूदगी ने यह साबित कर दिया है कि 2026 उनके करियर के सबसे यादगार और उपलब्धियों से भरे वर्षों में से एक है।

> “
> छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रेरणादायक जीवन पर आधारित इस फिल्म में रितेश ने अपने अभिनय के साथ-साथ निर्देशन कौशल की भी प्रभावशाली झलक दिखाई। यह फिल्म उनके करियर का एक अहम पड़ाव साबित हुई और उन्हें बड़े स्तर के फिल्ममेकर के रूप में नई पहचान दिलाने में सफल रही।

3.50 करोड़ में सलमान खान ने बेचा अपना लग्जरी अपार्टमेंट, 10 साल बाद कमाया लाखों का मुनाफा

बॉलीवुड के भाई जान यानि सलमान खान ने भी अपना मुंबई का लग्जरी अपार्टमेंट बेच दिया है। उनका यह फ्लैट बांद्रा वेस्ट के शिव स्थान हाइट्स में स्थित है। सलमान खान ने 10 साल पहले इसे 2.88 करोड़ रुपये में खरीदा था और अब खबरों के मुताबिक उन्होंने 3.50 करोड़ रुपये में उन्होंने इसे बेच दिया है। इस हिसाब से सलमान खान को इसे बेच कर बहुत फायदा है। 10 साल बाद अपने इस फ्लैट को बेचने के बाद उन्होंने 62 लाख रुपये का हुआ मुनाफा कमाया है। कुछ लोगों के मुताबिक मुंबई जैसे बड़े शहर के अनुसार इतना मुनाफा कम है। खासकर सलमान खान जैसी हाई–प्रोफाइल शख्सियत की प्रॉपर्टी से अधिक रिटर्न की उम्मीद की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान खान ने 9 जुलाई को अपने इस अपार्टमेंट का सौदा किया था। मुनीर अकबरअली डंडावाला, महाड़ियाली अकबरअली डंडावाला और जेहरा मडियाली डंडावाला ने सलमान खान इस प्रॉपर्टी को खरीदा है। खरदीने वालों ने इस डील के लिया करीब 21 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी ऐडा की, जबकि 30 हजार रुपए रेजिस्ट्रेशन शुक्ल के तौर पर जमा किए गए।फिलहाल, इस प्रॉपर्टी बिक्री को लेकर सलमान खान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या बयान सामने नहीं आया है। हाल ही में सलमान खान ने जिस अपार्टमेंट का सौदा किया है, उसका कारपेट एरिया 758 स्क्वायर फीट है। इसी के साथ इनके साथ 2 पार्किंग भी है। दस्तावेजों के अनुसार, इस अपार्टमेंट की बिक्री लगभग 46,000 रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से हुई है। इसे बेचने के बाद भाई जान को कुल 62 लाख रुपये का मुनाफा प्राप्त हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपनी प्रॉपर्टी बेचीं है। इससे पहले भी 2025 में सलमान खान ने 5.35 करोड़ रुपए में एक अपार्टमेंट को बेचा था। हाल ही में सलमान खान अभी अपने पूरे परिवार के साथ गैलेक्सी अपार्टमेंट में ही रहते हैं।

`ये लड़के कुछ डरावना बना रहे हैं', रश्मिका मंदाना ने `रणबाली' को लेकर दी अपडेट, विजय ने बोला- क्यूट

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के श्रणबालीश अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रणबालीश के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!' रश्मिका की इस स्टोरी पर पति व फिल्म के एक्टर विजय देवरकोंडा ने तुरंत ही जवाब दिया। रश्मिका की स्टोरी को री–शेयर करते हुए विजय ने प्यार से उन्हें क्यूट कहा और मजाक–मजाक में उनकी बात से असहमति जताई। विजय ने लिखा, 'डरावना नहीं दिव्य।' जिससे यह संकेत मिला कि दर्शकों को डरावनी चीज के बजाय कुछ बहुत ज्यादा पौराणिक देखने को मिल सकता है। इस बातचीत ने विजय के किरदार को लेकर चर्चाओं को और हवा दी है। जब से रणबाली की घोषणा हुई है, तब से उसके बदलाव को लेकर सबसे ज्यादा बातें हो रही हैं। इस लेटेस्ट पोस्ट के बाद यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या यह तस्वीर फिल्म के काफी चर्चित क्लाइमेक्स की है या किसी और अहम सीन की। इससे पहले निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने बताया था कि विजय और हॉलीवुड एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू के बीच क्लाइमेक्स वाले आमने–सामने के सीन को शूट करने में 16 दिन लगे थे। इसे फिल्म का हाइलाइट बताते हुए उन्होंने कहा कि इस सीन में जितना एक्शन है, उतना ही ड्रामा भी है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1854 और 1878 के बीच की कहानी पर आधारित श्रणबालीश एक निडर स्वतंत्रता सेनानी के सफर को दिखाती है। विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में हैं, जबकि रश्मिका मंदाना जयम्मा का किरदार निभा रही हैं और हॉलीवुड एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू विलेन सर थियोडोर हेक्टर की भूमिका में हैं।

77 की उम्र में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने बताया क्यों बनाई उन्होंने बॉलीवुड से दूरी, बोलीं- आज–कल की फिल्मों में...

हेमा मालिनी को कौन नहीं जानता होगा। 1970 और 1980 के दशक में अपनी मेहनत और एक्टिंग के बलबूते पर उन्होंने इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है। शोले, सीता और गीता, बागबान जैसी फिल्मों से उन्होंने घर–घर में पहचान बनाई है। एक्टिंग के साथ–साथ हेमा मालिनी खूबसूरती की भी मिसाल हैं। हेमा मालिनी ने इंडस्ट्री को बहुत सी हिट फिल्में दी हैं। भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपने लम्बे समय और सफल फिल्मी करियर के दौरान कई यादगार फिल्मों में काम किया। इसके बाद उन्होंने राजनीति की राह चुनी और धीरे–धीरे फिल्मों से दूरी बना ली।हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने पहली बार खुलकर बताया कि आखिर वह अब नई फिल्मों में नजर क्यों नहीं आती और इसके पीछे की वजह क्या है ?अपने फिल्मी सफर को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि जिस दौर में उन्होंने काम किया, वह भारतीय सिनेमा का बेहद खास और यादगार समय था। उनके मुताबिक, उस समय ऐसी कई शानदार फिल्में बनती थीं जिनमें महिला किरदारों को मजबूत और अहम स्थान दिया जाता था। उन्होंने कहा कि खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्होंने सीता और गीता, सपनों सौदागार, खुशबू जैसी यादगार फिल्मों में काम करने का मौका मिला। इसके बाद ड्रीम गर्ल ने बताया कि वह अपने करियर पर नजर डालती हैं तो उन्हें गर्व होता है कि उन्होंने करीब 200 फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने यह भी कहा की उस दौर के कई निर्माता उनके काम से इतने प्रभावित थे कि वे उन्हें बार–बार अपनी फिल्मों में कास्ट करते थे। साथ ही उन्होंने पुराने समय के सिनेमा को याद करते हुए कहा कि तब लगभग हर फिल्म में पांच में छह गाने होते थे और किसी फिल्म की सफलता में उसके संगीत की अहम भूमिका मानी जाती थी। हेमा मालिनी ने कहा कि समय के साथ फिल्म निर्माण का तरीका पूरी तरह बदल चुका है। उनके अनुसार अक्सर लोग उनसे पूछते हैं कि वह अब फिल्मों में नजर क्यों नहीं आती लेकिन मौजूदा दौर के सिनेमा और उसकी कार्यशैली के साथ खुद को सहज रूप से जोड़ा पाना उनके लिए आसान नहीं है। यही वजह है कि उन्होंब फिल्मों से दूरी बनाए रखना बेहतर समझा। हेमा मालिनी का नाम आज भी सबसे बेस्ट एक्ट्रेस में आता है। सपनों का सौदागर से उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को बहुत सी सीता और गीता, शोले, ड्रीम गर्ल, सत्ते पे सत्ता और बागबान जैसी हिट फिल्में दीं।

जश्न में डूबा महेश बाबू का परिवार, पत्नी ने शेयर की भतीजे सिद्धार्थ की शादी की तस्वीरें

साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म वाराणसी की शूटिंग में बिजी हैं। इस बीच उनका परिवार खुशी के माहौल में है। इटली में उनके भतीजे और युवा एक्टर सिद्धार्थ घट्टामनेनी की शादी का जश्न शुरू हो गया है। महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर ने हाल ही में इस खुशी के मौके पर परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों की तस्वीरें शेयर कीं। नम्रता शिरोडकर ने सोशल मीडिया पर सिद्धार्थ की शादी के जश्न की कई तस्वीरें शेयर कीं हैं। वह गहरे गुलाबी रंग की सिल्क साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने स्टाइलिश ज्वेलरी के साथ अपना लुक पूरा किया है। तस्वीरों में वह परिवार के सदस्यों के साथ खुशी के पल बिताती हुई नजर आईं। नम्रता ने नए जोड़े को एक प्यारा सा मैसेज भी भेजा और उनके लिए अपनी खुशी जाहिर की। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उन्होंने लिखा श्जश्न शुरू होने दें। खूबसूरत जोड़े सिद्धार्थ घट्टामनेनी और आइगु को ढेर सारा प्यार। खुशियां और जिंदगी भर साथ में शानदार यादें बनाने की शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह नया अध्याय वैसा ही हो जैसा आपने सपना देखा था और उससे भी बेहतर हो। नम्रता शिरोडकर शादी में पोज देती हुई नजर आईं।

बात-बात पर झूठ बोलता है बच्चा तो हो जाएं सतर्क, जानें कारण आर उपाय

बच्चे मासूम होते हैं, उन्हें जल्दी अच्छे–बुरे का फर्क समझ नहीं आता है। यही वजह है कि वो कई बार अनजाने में कुछ बुरी आदतों के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसी ही एक बुरी आदत है झूठ बोलना। कुछ बच्चों को अक्सर बात–बात पर झूठ बोलने या अपनी गलतियों को स्वीकार न करने की आदत होती है। अगर आपके बच्चे में भी ऐसी ही कोई आदत है तो उसे छुड़वाने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स।

बच्चों की झूठ बोलने की आदत को छुड़वाने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स–

बच्चों के रोल मॉडल बनें–

बच्चे अक्सर वही करते हैं जो अपने घर में होता हुआ देखते हैं। अगर आप भी बच्चों को बहलाने के लिए उनसे छोटे–मोटे झूठ बोलते रहते हैं तो ऐसा न करें। अपने बच्चों के सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि वो बड़े होकर आपके जैसा ही बनना चाहें। मतलब आप स्वयं भी बच्चों के सामने झूठ बोलने से बचें।

सच और झूठ के बीच का अंतर समझाएं–

अगर आप पहले ही अपने बच्चे को सच और झठ के बीच का फर्क सममझा देंगे तो वो कभी भी झूठ बोलने की गलती नहीं करेंगे। पेरेंट्स को अपने बच्चे को झूठ के बुरे परिणामों के बारे में जरूर समझाना चाहिए।

चेतावनी दें –

आपके समझाने के बावजूद अगर आपका बच्चा झूठ बोलते हुए पकड़ा जाता है तो उसे समझाने के साथ चेतावनी भी दें। इसके अलावा यह पता लगाने की भी कोशिश करें कि आपके बच्चे ने ऐसा क्यों किया है। कारण का पता लगने पर उसे चेतावनी दें कि गलती दोबारा होने पर उसे सजा भी मिल सकती है।

झूठ बोलने के परिणाम बताएं–

बच्चे को समझाएं कि समाज में झूठ बोलने वाले लोगों को कोई पसंद नहीं करता है। ऐसे लोगों पर हर व्यक्ति विश्वास करने से बचता है।जब भी आपका बच्चा झूठ बोले तो उसे उसके परिणामों के बारे में भी जरूर बताएं।

मीठी और टेस्टी नाशपती खरीदनी है तो ये टिप्स आएंगे बड़े काम

बरसात के मौसम में कई तरह के स्वादिष्ट फल बाजार में आते हैं जैसे पपीता, अनार, केला, लीची, सेब, जामुन, सीताफल और अनानास। परंतु बारिश के मौसम में फल खरीदना थोड़ा मुश्किल होता है क्योंकि इस दौरान फलों में कई तरह के कीड़े आने लगते हैं। इस दौरान नाशपाती भी आती है लेकिन बारिश में इसकी क्वालिटी अच्छी नहीं होती। इसके अलावा यह स्वाद में भी फीकी लगती है। आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप मीठी और टेस्टी नाशपाती खरीद सकेंगी। तो चलिए जानते

हैं इनके बारे में....

रंग का रखें ध्यान

नाशपाती के स्वाद में रंग की भी अहम भूमिका होती है। अगर आपको मीठी नाशपाती खरीदना चाहते हैं तो पीले रंग की पकी हुई नाशपाती ही खरीदें। वहीं इसके विपरित अगर आप थोड़ी खट्टी–मीठी नाशपाती खाना चाहते हैं तो हरे रंग एकदम परफेक्ट रहेगा।

ऐसी नाशपाती न खरीदे

फ्रेश नाशपाती खरीदने के लिए इस बात का ध्यान रखें कि इसमें किसी भी तरह की सिकुड़न न हो। इसके अलावा अगर फल के ऊपर थोड़ी भी सिकुड़न है तो इसे न खरीदें। ऐसी नाशपाती बाद में खराब हो सकती है।

दाग–धब्बे पर भी दें ध्यान

अगर नाशपाती पर कोई दाग–धब्बे है तो इसको भी न खरीदें। अगर नाशपाती पर पीला या फिर कोई भूरा निशान है तो इसे न ही खरीदें यह स्वाद में खराब हो सकती है।

हाथ लगाकर करें चेक

इसके अलावा नाशपाती के ऊपरी भाग को दबाकर देखें अगर यह आपको नरम लगती है तो इसका अर्थ है कि यह पकी हुई है और मीठी है। वहीं अगर आप नाशपाती ऐसी खरीदना चाहते हैं जो 2–3 दिन तक फ्रेश रहे तो आप कड़क नाशपाती ही खरीदें। यह जल्दी खराब भी नहीं होगी।

इन तरीकों की मदद लेकर आप अच्छी नाशपाती खरीद सकते हैं।

ब्रेन हेल्थ से लेकर बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत करेगी चुकंदर और नाशपाती की प्यूरी, जानिए खिलाने के फायदे

गाजर – 1
नाशपाती – 1
चुकंदर – 1
बादाम – 2
कैसे बनाएं?

. सबसे पहले गाजर, नाशपाती और चुकंदर तीनों को काटकर रख लें।

. इसके बाद नाशपाती को मिक्सी में पीस लें।

. गाजर और चुकंदर को मीडियम आंच पर 15 मिनट के लिए पकाएं।

. जब दोनों चीजें ठंडी हो जाएं तो उन्हें मिक्सी में डालकर पीस लें।

. इसके बाद बादाम का छिलका उतारकर उसे प्यूरी में डालें।

. मिक्सी में से चुकंदर और गाजर का मिश्रण निकालें और इसमें नाशपाती का मिश्रण मिलाएं।

. सारी चीजें मिक्स करके इसमें बादा डालें।

. मिक्स करके गाढ़ा पेस्ट बच्चे को चम्मच से खिलाएं।

नोट– यदि आपके शिशु को पाचन से जुड़ी कोई समस्या है तो एक्सपर्ट से पूछकर ही इसका सेवन करवाएं।

बच्चों को छह महीने के बाद डॉक्टर ठोस चीजें देने की इजाजत दे देते हैं। इससे पहले तो मां का दूध ही बच्चे के शरीर के लिए बेहतर माना जाता है। ठोस पदार्थ के रुप में पेरेंट्स बच्चों को हर चीज देना शुरु कर देते हैं परंतु इस उम्र तक बच्चों के दांत निकल जाते हैं इसलिए उन्हें सारी चीजें तरल पदार्थ के रुप में ही पेरेंट्स देते हैं। इसके अलावा छह महीने के बाद बच्चों के लिए फलों को सेवन भी जरुरी होता है लेकिन बच्चों को ठोस पदार्थ कैसे दिया जाए इस पर अक्सर पेरेंट्स कंफ्यूज हो जाते हैं। आप छह महीने के बाद बच्चे को नाशपाती और चकुंदर से तैयार प्यूरी दे सकते हैं। चुकंदर और नाशपाती की प्यूरी बच्चों के शरीर को कई फायदे देगी तो चलिए जानते हैं इसके बारे में...

ब्रेन हेल्थ रहेगी अच्छी

चुकंदर में आयरन, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। यह सारे गुण शिशु की ब्रेन हेल्थ अच्छी करने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह प्यूरी शिशु का वेट बैलेंस रखने में भी काफी लाभकारी मानी जाती है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

प्यूरी को बनाने के लिए नाशपाती इस्तेमाल की जाती है। यह पाचन को स्वस्थ बनाने में मदद करती है। इसमें विटामिन–सी, विटामिन–के, फाइबर और पोटैशियम काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं तो पाचन के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

चुकंदर और नाशपाती दोनों ही इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए लाभकारी मानी जाती हैं। इसके अलावा प्यूरी में पाए जाने वाले गुण बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं।

आंखे रहेगी स्वस्थ

प्यूरी बनाने के लिए गाजर भी इस्तेमाल होती है। गाजर बच्चे की आंखों के लिए बेहद ही फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन–ए, बीटा केरोटीन मौजूद होता है यह शिशु की आई साइट मेंटेन करने में मदद करता है। इससे शिशु की आंखें हैल्दी रहती है।

कैसे बनाएं नाशपाती और चुकंदर की प्यूरी

सामग्री

मानसून में ऐसे रखेंगे अपनी सेहत का ख्याल तो बीमारियां नहीं करेंगी परेशान

तेज गर्मी के बाद मॉनसून की दस्तक दे दी है, जिससे लोगों को चेहरे पर खुशी साफ देखा जा सकती है। बारिश ने जहां माहौल को खुशनुमा बना दिया है, वहीं इसके साथ ही कई सारी बीमारियों को भी न्यौता दिया है। इस मैसम में नमी की वजह से फंगल इन्फेंक्शन और कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि बदलते हुए मौसम में हम अपनी सेहत का ध्यान रखें। आउए आपको बताते हैं कुछ टिप्स जिससे आप अपनी सेहत का इस बरसात के मौसम में बेहतर ख्याल रख सकते हैं...

मच्छरों से बचें

बारिश के मौसम में जगह–जगह पानी भरने से डेंगू, मलेरिया के मच्छर पैदा होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि आप घर के आस–पास कहीं भी पानी नहीं जमा होने दें, साथ ही घर के अंदर उपयोग होने वाले कूलर के पानी भी बदलते रहें। मच्छर भगाने की मशीन और मच्छरदानी का उपयोग करें।

पर्सनल हाइजीन

ऐसे मौसम में पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है कि बारिश में भींगने से बचें। बारिश के मौसम में ठंडक की वजह से कुछ लोग आलसी बन जाते हैं, ऐसे में इन्फेक्शन से बचने के लिए आप रोज नाहाना बहुत जरूरी है।

खाने–पीने का रखें ध्यान

बारिश के मौसम में बाहर खाने से परहेज करें तो बेहतर होगा। सड़क के किनारे मिलने वाली चीजों से आप बीमार हो सकते हैं, ऐसे में घर का खाना खाएँ, साथ ही बारिश के मौसम में गंदा पानी पीने से बीमारियां फैल का खतरा ज्यादा होता है।

हेल्दी डाइट

बारिश के चलते ठंड होती है तो जाहिर है की कुछ गर्म पीने का मन करता है। आप कॉफी, हर्बल टी और सूप का सेवन करें। डाइट में जितना हो सके फल और हरी सब्जियों का सेवन करें।

ठंडी चीजों से करें परहेज

बारिश में मौसम सर्द–गर्म रहता है तो तापमान में हर वक्त बदलाव होता है। ऐसे में जरूरी होता है कि आप ठंडी चीजों जैसे– कोल्ड ड्रिंक, दही, कोल्ड कॉफी और आइसक्रीम का सेवन करने से बचें।

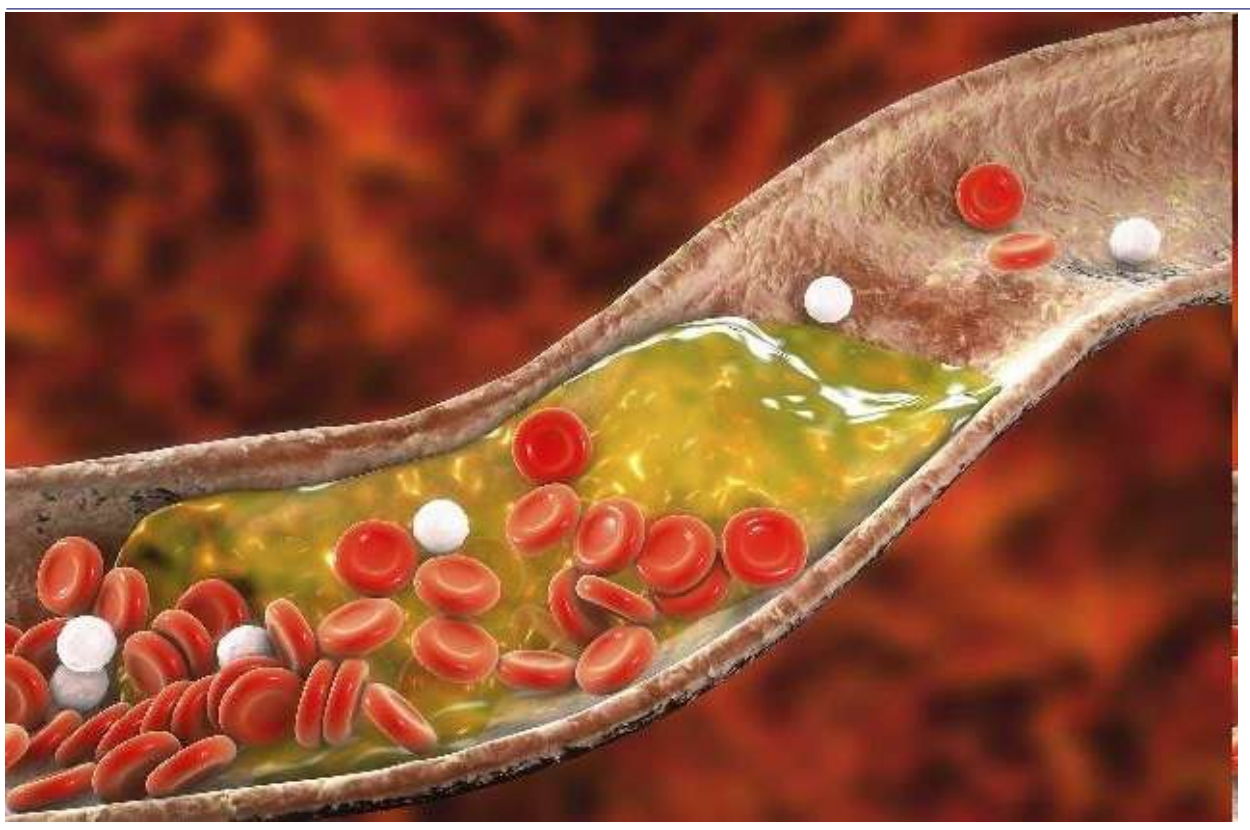

कोलेस्ट्रॉल हो जाएगा घूमंतर, ये 5 चीजें खाने से निकलेगी खून में जमा गंदगी

बदलते लाइफस्टाइल के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इन्हीं में से एक है बढ़ता हुआ कोलेस्ट्रॉल। बहुत से लोग बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का सामना कर रहे हैं। इसके कारण नसों में ब्लॉकेज होने लगती है जिसके कारण मरीज को हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम भी बढ़ने लगता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जिनकी जगह आप हैल्दी प्रोडक्ट्स का सेवन करके कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल कर सकते हैं आइए जानते हैं इनके बारे में....

स्नैक्स की जगह खाएं नट्स

आलू, चिप्स, फ्रेंच फ्राइज आजकल हर किसी की डाइट का हिस्सा होते हैं यह खाने में तो स्वाद होते हैं लेकिन इनमें मौजूद अनहैल्दी फैट्स हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है। यह आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा सकता है। लंबे समय तक इन चीजों का सेवन करने से आपको हार्ट संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इनकी जगह आप मुट्ठी भर नट्स खा सकते हैं। इनमें पाया जाने वाला फाइबर, प्रोटीन आपके हार्ट को हैल्दी रखने में मदद करता है।

मिल्क चॉकलेट की जगह डॉर्क चॉकलेट

यदि आप मिल्क चॉकलेट ज्यादा खाते हैं तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनमें पाया जाने वाला फैट और चीनी आपकी हैल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा सकते हैं। ऐसे में आप डॉर्क चॉकलेट का सेवन कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला फ्लेवोनॉयड्स हार्ट हैल्थ अच्छी रखने में मदद करता है।

आइसक्रीम की जगह योगर्ट

अगर आपको आइसक्रीम अच्छी लगती है तो आप इसकी जगह फ्रोजन योगर्ट खा सकते हैं। इसमें कैलोरी और शुगर कम पाई जाती है जो आपका कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करती है। घर में फ्रोजन दही बनाकर उसमें फ्रेश फ्रूट्स या ड्राई फ्रूट मिलाकर इसका सेवन आप कर सकते हैं।

मक्खन की जगह ऑलिव ऑयल

बहुत से लोग परांठे पर मक्खन लगाकर खाते हैं लेकिन यह हार्ट हैल्थ के लिए नुकसानदायक होते हैं। इनमें पाया जाने वाला सैचुरेटेड फैट हार्ट हैल्थ को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में आप कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए ऑलिव ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं। ऑलिव ऑयल में पाया जाने वाला हैल्दी फैट आपकी हेल्थ अच्छी रखने में मदद करेगा।

चावल की जगह खाएं क्विनोआ

चावल भी सभी घरों में खाया जाता है परंतु यह भी आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित करते हैं। ऐसे में चावल की जगह आप क्विनोआ खा सकते हैं। यह साबुत अनाज प्रोटीन सहित कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसके अलावा आप सफेद चावल की जगह ब्राउन चावल भी खा सकते हैं।

संक्षिप्त

खुदरा महंगाई दर जून में उछलकर 4.38 फीसदी पर पहुंची, जानिए क्या आपकी जेब पर भी पड़ेगा असर?

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई है, जो मई में 3.93 फीसदी थी। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से यह वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चार फीसदी की लक्ष्य सीमा बनाए रखना एक चुनौती हो सकती है। जानें इसका आपकी रोजमर्रा की जिंदगी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि दर्ज की गई है। यह मई के 3.93 फीसदी से बढ़कर जून में 4.38 फीसदी पर पहुंच गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी है। यह जानकारी सोमवार को जारी किए गए सरकारी आंकड़ों से सामने आई है। जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खाद्य महंगाई जून में 5.32 फीसदी रही। यह मई में दर्ज की गई 4.78 फीसदी की तुलना में अधिक है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गई है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मुख्य महंगाई दर 4 फीसदी पर बनी रहे। इसमें दो फीसदी ऊपर या नीचे का मार्जिन रखा गया है। जून में 4.38 फीसदी की महंगाई दर इस लक्ष्य सीमा के भीतर तो है, लेकिन यह 4 फीसदी के करीब पहुंच गई है। खाद्य महंगाई में वृद्धि के कारण भारतीय रिजर्व बैंक पर महंगाई को नियंत्रित करने का दबाव बढ़ सकता है। खुदरा महंगाई में वृद्धि का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से घर का बजट प्रभावित होता है। दाल, सब्जियां और अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। इससे रोजमर्रा के खर्चों में बढ़ोतरी होगी। उपभोक्ताओं को अपनी खरीदारी की आदतों में बदलाव करना पड़ सकता है।

अनिल अंबानी समूह की कंपनियों में धोखाधड़ी का मामला, जानिए सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को क्या बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह और उसकी कंपनियों से जुड़े बड़े बैंकिंग धोखाधड़ी के सात मामलों में से तीन में आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची व वी मोहना की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अन्य चार मामलों में जांच जारी है। शीर्ष अदालत ने मेहता के बयान पर नोट लिया और सीबीआई को जांच की प्रगति पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी संबंधित धन शोधन मामलों में अभियोजन रिपोर्ट दाखिल की है। याचिकाकर्ता पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी अनिल अंबानी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जून तक तीन आरोपपत्र दाखिल होने के बावजूद सीबीआई ने कोई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। प्रशांत भूषण ने कहा कि सेबी ने अनिल अंबानी की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया था, लेकिन सीबीआई की स्थिति रिपोर्ट में इसका खुलासा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनिल अंबानी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है और केवल निचले स्तर के अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। भूषण ने कहा कि 2025 के आरोपपत्र में सीबीआई और ैम्ठप् दोनों ने अनिल अंबानी को मुख्य आरोपी बताया था। सॉलिसिटर जनरल ने भूषण के आरोपों का खंडन किया और कहा कि यह कहना गलत है कि केवल निचले स्तर के अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रबंध निदेशक और कार्यकारी भी गिरफ्तार किए गए हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी भी तरह का निर्देश देना उचित नहीं होगा और भूषण से अनिल अंबानी की भूमिका से संबंधित आरोपपत्र देखने को कहा। अनिल अंबानी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी से उनके मुवक्किल को पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ेगा। सिब्बल ने कहा कि एक बार आरोपपत्र दाखिल होने के बाद, संज्ञान लिया जाना बाकी है और यह अदालत की प्रक्रिया नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस बात से अवगत है कि पीठ से ऐसा कुछ भी नहीं आना चाहिए जो किसी भी पक्ष के लिए पूर्वाग्रहपूर्ण हो। मेहता ने पहले अदालत को बताया था कि कुल नौ प्राथमिकी हैं, जिनमें से सात की जांच चल रही है। उन्होंने कहा था कि इन सात मामलों में कुल 27,337 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ईडी ने रिलायंस होम फाइनेंस में 7,500 करोड़ रुपये और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस में 8,200 करोड़ रुपये के चूक का आरोप लगाया था, जिसमें ष्बड़े पैमाने पर सार्वजनिक धन का हेरफेरष् शामिल था। रिलायंस पावर के संबंध में, ईडी की रिपोर्ट में कहा गया था कि एजेंसी सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को जाली बैंक गारंटी जमा करने की जांच कर रही थी, जिससे 105 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। जनहित याचिका में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीएजी की कई संस्थाओं में सार्वजनिक धन के व्यवस्थित हेरफेर, वित्तीय विवरणों के निर्माण और संस्थागत मिलीभगत का आरोप लगाया गया था।

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच मेसी के लिए क्यों है खास? अर्जेंटीना के कप्तान ने बताया कारण

अटलांटा,एजेंसी। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर छूने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अटलांटा में होने वाले फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में मेसी पहली बार इंग्लैंड का सामना करेंगे। दो दशकों से अधिक समय तक अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व करने और विश्व कप जीतने वाले हर दूसरे देश के खिलाफ खेलने के बावजूद, मेसी ने आज तक कभी इंग्लैंड के खिलाफ मैच नहीं खेला है। अब दोनों टीमों के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला सीधे विश्व कप फाइनल के टिकट के लिए होगा जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्विता में एक नया अध्याय जोड़ देगा। मेसी ने कहा, सच तो यह है कि यह मुकाबला बेहद खास है। यह इसलिए खास है क्योंकि मैं पहली बार उनके खिलाफ खेल रहा हूं। मैंने इंग्लैंड को छोड़कर बाकी सभी बड़ी टीमों के खिलाफ खेला है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा वे एक बहुत बड़ी और मजबूत टीम है। ऐसी टीमों के खिलाफ ऐसे मैचों में और खासकर विश्व कप के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा शानदार होता है। अपने करियर के दौरान मेसी ब्राजील, उरुग्वे, जर्मनी, इटली, स्पेन और फ्रांस जैसी दुनिया की तमाम बड़ी फुटबॉल शक्तियों का सामना कर चुके हैं, लेकिन केवल इंग्लैंड ही एक ऐसा देश था जो उनके अंतरराष्ट्रीय रिज्यूमे से गायब था। इससे पहले नवंबर 2005 में जिनेवा में खेले गए एक दोस्ताना मैच के दौरान वह इंग्लैंड के खिलाफ खेलने के सबसे करीब पहुंचे थे, जहां अर्जेंटीना को 2–3 से हार मिली थी। हालांकि, उस साल हंगरी के खिलाफ अपने सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू पर रेड कार्ड मिलने के कारण मेसी उस मैच का हिस्सा नहीं बन सके थे। मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना ने इस विश्व कप के नॉकआउट दौर में अविश्वसनीय जज्बा दिखाया है। मिस्र के खिलाफ दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना ने 3–2 से जीत दर्ज की। इसके बाद स्विट्जरलैंड के खिलाफ भी मुकाबला अतिरिक्त समय तक खिंचा, जहां अर्जेंटीना ने 3–1 से जीत हासिल की। इस मैच में मेसी ने कॉर्नर से अलेक्सिस मैक एलिस्टर के शुरुआती गोल में मदद की, जिसके बाद जूलियन अल्वारेज के शानदार गोल और लुटारो मार्टिनेज के आखिरी पलों के गोल ने जीत पर मुहर लगा दी। कतर 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप–स्टेज मैच के बाद यह पहला मौका था जब मेसी किसी विश्व कप मैच में खुद गोल नहीं कर सके।

लगातार मिल रही कड़ी चुनौतियों पर मेसी ने कहा, हम थोड़ा आराम करने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम पर काफी दबाव रहा है और इसका असर शरीर पर दिखता है। टीम इसे महसूस कर रही है, लेकिन हम जो कर रहे हैं, यानी कड़ी टक्कर देना उसे जारी रखने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में हैं। इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच 2002 के फीफा विश्व कप के बाद से कोई भी प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं हुआ है, जहां इंग्लैंड ने 1–0 से जीत दर्ज की थी। अब 24 साल बाद मेसी के पास इस ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता में अपनी खुद की कहानी लिखने का सुनहरा मौका है। अर्जेंटीना न सिर्फ फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगा, बल्कि 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दो बार फीफा विश्व कप खिताब जीतने वाला पहला देश बनने की राह पर भी आगे बढ़ेगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी जापान ओपन से करेगी वापसी, लक्ष्य और सिंधू एकल में संभालेंगे मोर्चा

टोक्यो,एजेंसी। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी चोट से उबरने के बाद मंगलवार से शुरू होने वाले जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। पिछले महीने सात्विक की कंधे की चोट के बढ़ जाने के बाद यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से हट गई थी। सात्विक और चिराग अब सिंगापुर ओपन का खिताब जीतने के बाद वहीं से शुरुआत करने के लिए तैयार होंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से होगा। एकल में भारत का दारोमदार एक बार फिर लक्ष्य सेन, पीवी सिंधू और आयुष शेट्टी पर टिका होगा। इस साल की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य जापान के कोकी वातानाबे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। आयुष को अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड के दूसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चौंपियन कुनलावत विटिडसर्न के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। 20 वर्षीय आयुष ने पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 जीता था और वह मौजूदा सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे थे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू महिला एकल में मलयेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी, जबकि उन्नति हुडा अपने पहले मैच में चीनी ताइपे की हुआंग यू–हसुन का सामना करेंगी। इस साल की शुरुआत में थॉमस कप में भारत की कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे हरिहरन आमसकारुनन और एम आर अर्जुन पुरुष युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे के ली झे–हुई और यांग पो–हसुआन का सामना करेंगे। ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो तथा रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ियां भी इस टूर्नामेंट में अपना भाग्य आजमाएंगी। ध्रुव और तनीशा का मुकाबला स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन से होगा, वहीं रोहन और रुथविका को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

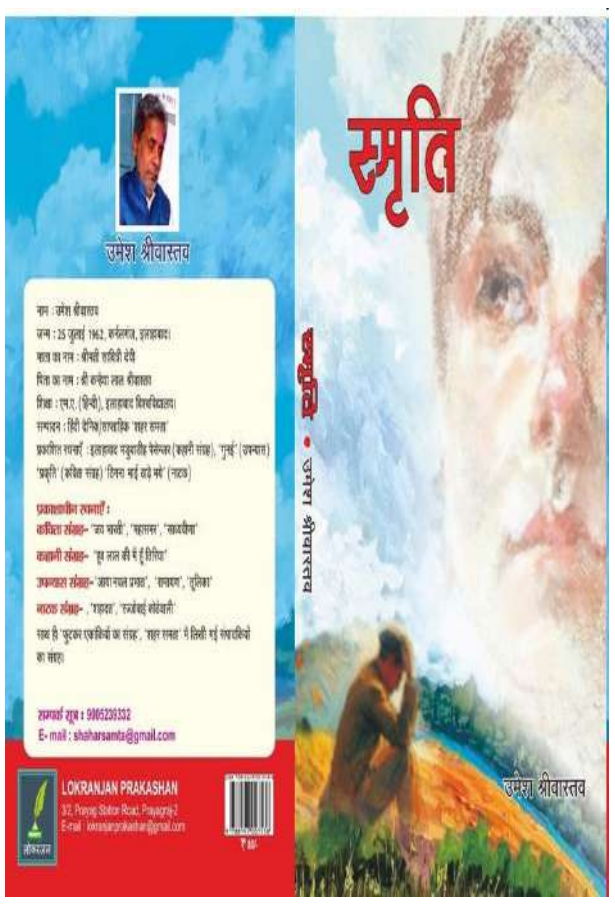

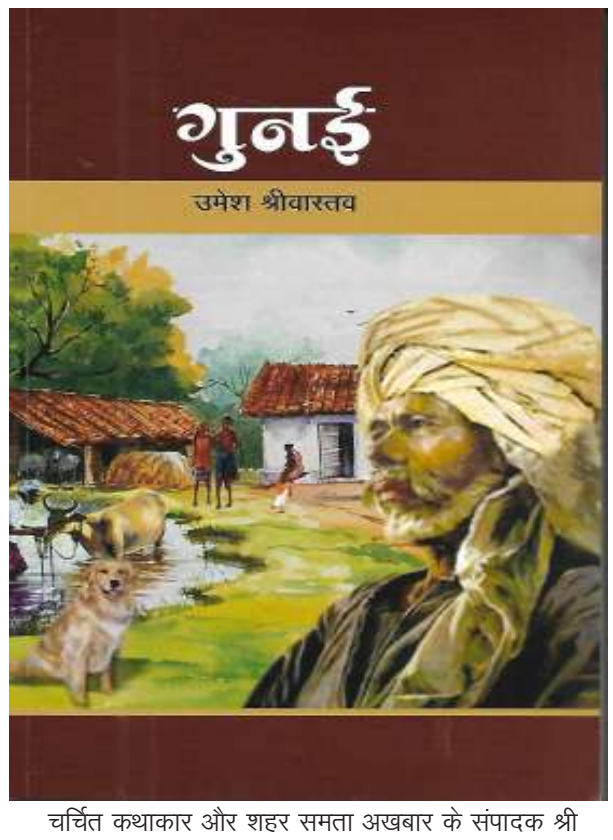

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

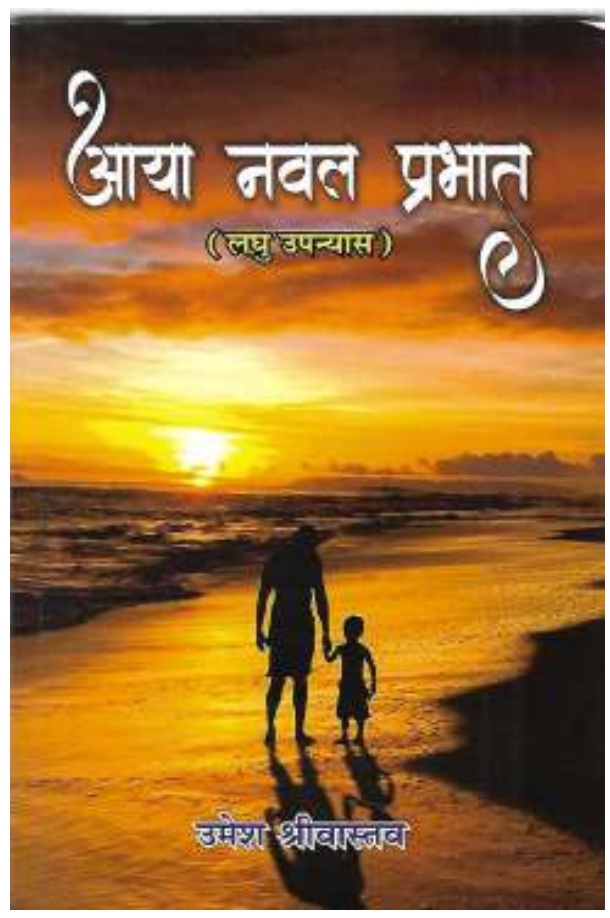

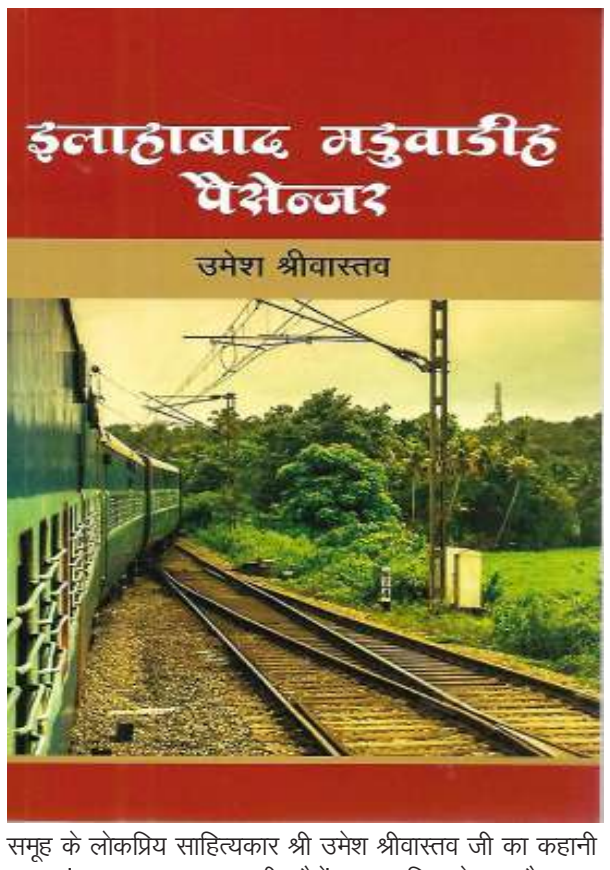

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

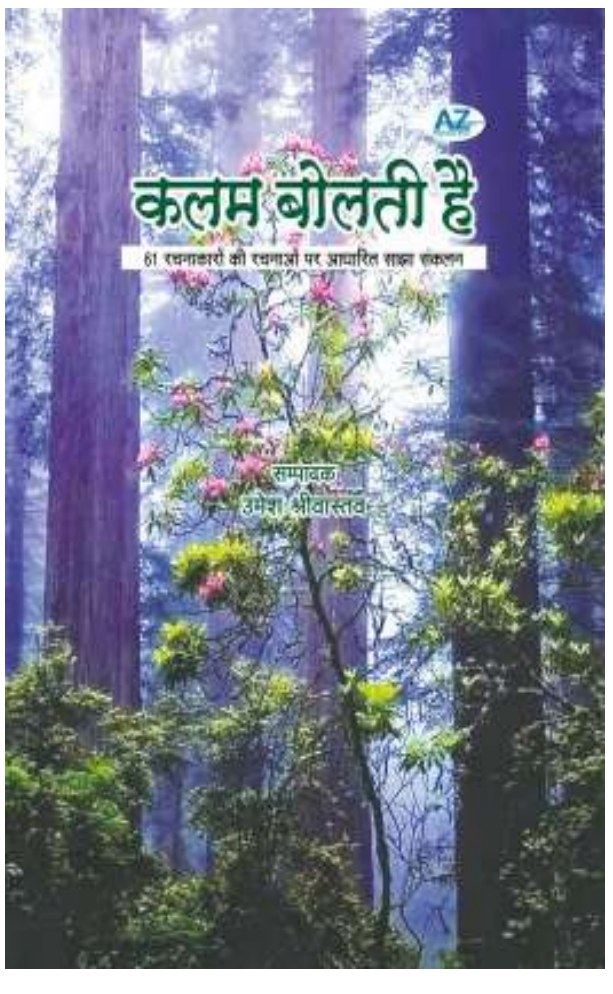

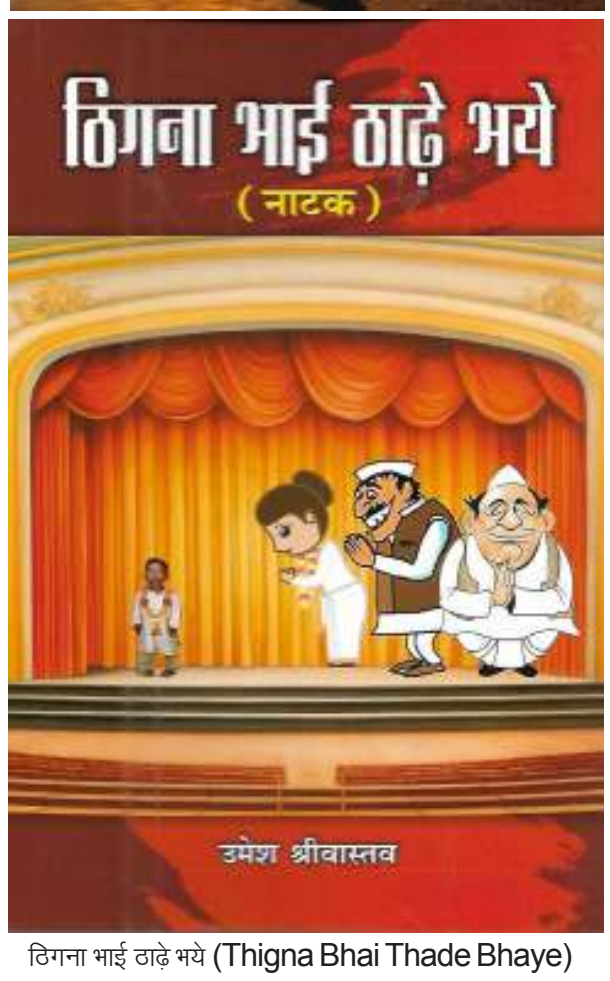

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जब शादी से लौटते वक्त मौत से हुआ सामना, मेहमानों की पिकअप दो ट्रकों के बीच पिसी, 13 लोगों की गई जान

एजेंसी/इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप हाईवे पर दो ट्रकों के बीच फंस गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यू टर्न लेते समय पीछे से ट्रक की टक्कर के बाद पिकअप दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां एक और ट्रक से भिड़ंत हो गई। आखिर कैसे हुआ हादसा? स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पिकअप दो ट्रकों के बीच कैसे आ गई? पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद क्या हुआ? हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के कारण पिकअप में सवार एक दर्जन से अधिक लोग उछलकर हाईवे पर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए पांच लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें कुछ को मामूली जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इंडोनेशिया में ऐसे हादसे बार बार क्यों होते हैं? इंडोनेशिया में सड़क हादसे अक्सर जानलेवा साबित होते हैं। इसकी बड़ी वजह ओवरलोड वाहन, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त इंतजाम और यातायात नियमों का ठीक तरह से पालन नहीं किया जाना माना जाता है। यही कारण है कि ऐसे हादसों में हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जान चली जाती है।

क्या ईरान नहीं चाहता समझौता?: ट्रंप ने लगाए आरोप, बोले- बैठक में भरी हामी, फिर एक घंटे बाद किया जहाज पर हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि ईरान के साथ समझौते को लेकर चल रहे कूटनीतिक प्रयास नाकाम हो गए हैं। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हालिया बैठक में ईरान ने पहले समझौते पर सहमति जताई, लेकिन बैठक से बाहर आने के एक घंटे के भीतर ही होर्मुज में जहाज पर ड्रोन हमला कर

दिया। पश्चिम एशिया में होर्मुज को लेकर एक बार फिर से संघर्ष छिड़ चुका है। होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका ने ईरान पर ताबड़तोड़ बमबारी की है। वहीं, ईरान ने भी पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों समेत कई जगहों पर हमले किए हैं। ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला है। उन्होंने क्षेत्र पर नियंत्रण के ईरानी दावों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद भी इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर आवाजाही जारी है। ईरान के साथ समझौते पर क्या बोले ट्रंप? एनबीसी के कार्यक्रम मीट द प्रेस में बातचीत के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के साथ हालिया कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के साथ एक संभावित समझौता ईरान की ओर से एक वाणिज्यिक जहाज पर कथित सैन्य हमले के बाद टूट गया। ट्रंप ने कहा कि शनिवार को हुई बातचीत के दौरान ईरानी प्रतिनिधि कई अहम रियायतों पर सहमत हो गए थे। उनके अनुसार, इसमें परमाणु कार्यक्रम और सैन्य गतिविधियों को पूरी तरह छोड़ने जैसे मुद्दे भी शामिल थे। उन्होंने कहा, ष्हमारी उनसे बैठक हुई थी। उन्होंने कल समझौते पर सहमति जताई थी। यह हमारे लिए पूरी तरह उपयुक्त समझौता था। न परमाणु कार्यक्रम, न यह, न वह, कुछ भी नहीं। उन्होंने सब कुछ छोड़ने पर सहमति दी, लेकिन बैठक से बाहर निकलने के एक घंटे के भीतर ही उन्होंने एक जहाज पर ड्रोन हमला कर दिया।ष होर्मुज के खुले होने पर किसने किया क्या दावा? ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए कहा, ष्वे बेहद बुरे और बीमार मानसिकता वाले लोग हैं।ष होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ष्यह खुला है।

उन्होंने आगे कहा, ष्हमने बीती रात उन पर जबरदस्त बमबारी की। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान के नियंत्रण के दावे को खारिज किया है। सेंटकॉम ने कहा कि यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग खुला है, जबकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इसके बंद होने का दावा किया था। सेंटकॉम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ष्दावारू आईआरजीसी नौसेना के कमांडर ने सरकारी मीडिया से कहा कि ईरानी बलों की पहचान, निगरानी और अनुमति के बिना कोई विदेशी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं गुजर सकता।ष इसके जवाब में सेंटकॉम ने कहा, ष्तथ्यरू होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण नहीं है। यह एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका ने फिर की ईरान पर बमबारी, धमाकों से दहले कई इलाके, तेहरान ने दिया क्या जवाब ?

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार (स्थानीय समय) को ईरान पर एक बार फिर सैन्य हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि इस कार्रवाई का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले नागरिक नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना है। सेंटकॉम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की गई है, ताकि ईरानी बलों को उनके कदमों के लिए जवाबदेह ठहराया जा सके। अमेरिकी हमलों पर क्या बोला ईरान? ईरान के विदेश मंत्रालय ने पिछले 24 घंटों में हुए अमेरिकी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इन हमलों ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के हालिया प्रयासों को कमजोर किया है। विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर कोई देश अपनी जमीन या सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए करने की अनुमति देता है, तो ऐसे हमलों के स्रोत को ईरानी सशस्त्र बल आत्मरक्षा के तहत ष्वैध सैन्य लक्ष्यष् मान सकते हैं। मंत्रालय ने मस्कट में हुई वार्ता के नतीजों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के कथित बयान को भी खारिज किया। ईरान ने इसे ष्पूरी तरह झूठष् बताते हुए कहा कि बातचीत का मुख्य विषय होर्मुज जलडमरूमध्य और समुद्री जहाजों की आवाजाही के प्रबंधान से जुड़े इंतजाम थे। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सचिवालय की प्रतिक्रिया की भी आलोचना की और संयुक्त राष्ट्र महासचिव तथा सुरक्षा परिषद से अमेरिकी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की मांग की। अमेरिकी सेना ने हमलों को लेकर क्या कहा? सेंटकॉम ने कहा, ष्आज शाम 5 बजे (ईटी) अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान पर एक और दौर के हमले शुरू किए। इनका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले नागरिक नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना है। राष्ट्रपति ने ईरानी बलों को जवाबदेह ठहराने के लिए इन हमलों का निर्देश दिया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। ईरान के सरकारी चौनल प्रेस टीवी के अनुसार, हमलों के बाद दक्षिणी ईरान के जास्क, बंदर अब्बास और सीरिक शहरों में तीन विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रम क्षेत्र और दुनिया दोनों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आ सकते हैं। गुटेरेस ने एक्स पर लिखा, ष्मैं खाड़ी क्षेत्र में गंभीर तनाव और ईरान–अमेरिका के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य टकराव को लेकर बेहद चिंतित हूं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हमले, ईरान पर अमेरिका के हमले और पड़ोसी देशों में ईरान की ओर से किए गए हमले शामिल हैं। इन सभी हमलों को तुरंत रुकना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात फिर पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ते हैं तो इसके क्षेत्र के लोगों, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ष्विनाशकारी परिणामष् होंगे। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अमेरिका और ईरान से तत्काल बातचीत फिर शुरू करने और सभी लंबित मुद्दों का समाधान कूटनीति के जरिए निकालने की अपील की। उन्होंने कहा, ष्मैं ईरान और अमेरिका से आग्रह करता हूं कि वे तुरंत वार्ता फिर शुरू करें और सभी लंबित मुद्दों का समाधान कूटनीतिक तरीके से करें। ईरान में 140 ठिकानों को बनाया निशाना इससे पहले शनिवार (स्थानीय समय) को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस सप्ताह ईरान के खिलाफ तीसरे दौर के हमले पूरे किए थे। सेंटकॉम ने कहा था कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले के लिए ईरानी बलों को जवाबदेह ठहराने के उद्देश्य से की गई। सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी सेना ने जमीन और समुद्र से संचालित लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों की मदद से करीब 140 ईरानी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए। इनमें मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट, नौसैनिक ठिकाने, हथियार भंडार, संचार नेटवर्क और तटीय निगरानी केंद्र शामिल थे। ट्रंप ने किया था क्या दावा? इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला है। उन्होंने क्षेत्र पर नियंत्रण को लेकर ईरान के दावों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बावजूद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही जारी है। एनबीसी के कार्यक्रम मीट द प्रेस में ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ हालिया कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि शनिवार को हुई बातचीत के दौरान ईरानी प्रतिनिधि कई अहम रियायतों पर सहमत हो गए थे। उनके अनुसार, इसमें परमाणु कार्यक्रम और सैन्य गतिविधियों को पूरी तरह छोड़ने जैसे मुद्दे भी शामिल थे।

बातचीत की हर कोशिश चाहते थे राष्ट्रपति ट्रंप, पीएम नेतन्याहू ने बताई ईरान पर अमेरिकी नीति क्या ?

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ईरान के साथ बातचीत के जरिए परमाणु मुद्दे का समाधान निकालना चाहते थे। उनके मुताबिक, ट्रंप की कोशिश थी कि राजनयिक समझौते की सभी संभावनाएं पूरी तरह खत्म होने के बाद ही दूसरे विकल्पों पर विचार किया जाए। एनबीसी के मीट द प्रेस कार्यक्रम में एक साक्षात्कार के दौरान नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि अगर तेहरान अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो अमेरिकी नेता बल प्रयोग करने में संकोच नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने क्या कहा? नेतन्याहू ने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप बातचीत के माध्यम से खास रूप से परमाणु मुद्दे पर समझौते तक पहुंचने की हर संभव कोशिश करना चाहते हैं। लेकिन जाहिर है, जब ईरान अपने हर वादे को तोड़ता है, तो वे बल प्रयोग करने से भी नहीं हिचकिचाते और आमतौर पर वादे करने के कुछ घंटों या कुछ मिनटों के भीतर ही वे ऐसा कर देते हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि हमें राष्ट्रपति को अपना मौका देना चाहिए। नेतन्याहू ने आभार क्यों व्यक्त किया? इस्राइल के प्रधानमंत्री ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने में अमेरिका– इस्राइल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही कहा कि उनके संयुक्त प्रयासों ने तेहरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोक दिया है। उन्होंने कहा, श्आप जानते हैं इस्राइल इस बात के लिए बेहद आभारी है कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोकने के लिए सेना में शामिल हुआ, न केवल हमारे खिलाफ बल्कि पूरे पश्चिम और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ। परमाणु को लेकर क्या बोले नेतन्याहू? नेतन्याहू ने कहा कि बहुत से लोगों को इस बात का एहसास नहीं है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने के कितने करीब आ गया था। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा हाल ही में किए गए सैन्य अभियानों ने तेहरान के कार्यक्रम को काफी हद तक पीछे धकेल दिया है। ऑपरेशन का क्या नाम था? उन्होंने आगे कहा, श्हमने ये दो ऑपरेशन किए, जिन्हें मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी कहा जाता है। हम इन्हें राइजिंग लायन और रोरिंग लायन कहते हैंय हमने वास्तव में इसे वापस पटरी पर ला दिया। अभी पश्चिम एशिया में क्या हालात? ये टिप्पणियां अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर आई हैं। रविवार को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने थल और जल आधारित लड़ाकू विमानों, ड्रोनों और नौसैनिक जहाजों द्वारा तैनात सटीक गोलाबारी का उपयोग करते हुए ईरान के 140 सैन्य ठिकानों पर हमले किए। लक्ष्यों में ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकाने, नौसैनिक क्षमताएं, गोला–बारूद भंडारण सुविधाएं, संचार नेटवर्क और तटीय निगरानी स्थल शामिल थे। यह घटनाक्रम होर्मुज जलडमरूमध्य में साइप्रस के ध्वज वाले कंटेनर पोत एमध वी जीएफएस गैलेक्सी पर आईआरजीसी द्वारा किए गए हमले के बाद हुआ । इसके अलावा, सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी विमानवाहक पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले रसद सहायता केंद्रों और ईंधन भरने वाले प्लेटफार्मों पर एक भारी और अचानक हमला किया है।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें', Pak आर्मी पर बरसे मौलाना फजलुर रहमान

एजेंसी/पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका

का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया। मौलाना फजलुर रहमान ने क्या कहा? पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम–फजल (जेयूआई–एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, श्अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससें यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं। मौलाना फजलुर रहमान ने क्या दावा किया? फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून–बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था।

उन्होंने पूछा श देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?श श्बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।श उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था? यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए।

रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है उन्होंने कहा, श्लोग कहते हैं कि हमारे सबा शहीद बन रहे हैं। आपके

दक्षिणपंथी पार्टी के मुखिया के सामने 'कूड़ादान' और 'लोमड़ी' बने उम्मीदवार, जनता इन्हें वोट देने को तैयार

एजेंसी/ब्रिटेन की तेजी से उभरती अति–दक्षिणपंथी– रिफॉर्म यूके पार्टी के मुखिया नाइजल फराज इस वक्त चर्चाओं में हैं। दरअसल, अपने निजी वित्तीय और दान रिकॉर्ड्स को लेकर घिरे फराज ने कुछ समय पहले ही अपनी क्लैक्टन संसदीय सीट से

इस्तीफा दे दिया था। अपने इस कदम की वजह तब उन्होंने जनता के बीच जाना और उनके भरोसे के साथ संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) में लौटना बताया था। हालांकि, अब उनकी चुनावी राह बिल्कुल भी आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि नाइजल फराज को अपनी पारंपरिक क्लैक्टन सीट पर सत्तासीन लेबर पार्टी या मुख्य विपक्षी दल– कंजर्वेटिव पार्टी के किसी बड़े नेता से चुनौती मिल रही है। हालांकि, उपचुनाव के लिए अब तक जो उम्मीदवार सामने आए हैं, उनके रंग–ढंग और चुनावी चाल देखकर ही जनता उन्हें पसंद करने लगी है। इनमें एक उम्मीदवार है श्कूड़ेदानश की वेशभूषा में घूमने वाला शख्स, जिनकी उम्मीदवारी को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। दूसरा है– एक लोमड़ी बनकर घूमने वाला व्यक्ति। इन्हें भी जनता काफी पसंद कर रही है। इसके अलावा एक और उम्मीदवार फिशफिंगर (मछली के पकौड़े) की वेशभूषा में अपने लिए वोट मांग रहा है।

आइये जानते हैं कि ब्रिटेन की सबसे कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी के नेता नाइजल फराज ने अपने पद से इस्तीफा क्यों दिया? चुनाव में उनके सामने कौन–कौन उम्मीदवार के तौर पर खड़ा है? इनकी चर्चाएं क्यों हैं? फराज जिस सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं, वहां के सर्वे उन्हें मिलने वाली चुनौती को लेकर क्या अनुमान लगा रहे हैं? आइये जानते हैं...

पहले जानें– नाइजल फराज ने क्यों दिया था पद से इस्तीफा?

नाइजल फराज ने क्लैक्टन के संसद सदस्य के पद से इस्तीफा अघोषित वित्तीय दान और एक फंडिंग घोटाले से जुड़े आरोपों के बीच दिया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने अमीर दानकर्ताओं से मिले लाखों पाउंड के उपहारों की सार्वजनिक घोषणा नहीं की, जिसकी वजह से संसद की मानक निगरानी संस्था उनकी जांच कर रही है। आलोचकों और विपक्षी दलों का मानना है कि उनका इस्तीफा और फिर से उसी सीट पर उपचुनाव लड़ना महज एक दिखावा है, ताकि वह अपने खिलाफ चल रही संसदीय जांच में देरी कर सकें और लोगों का ध्यान इन गंभीर आरोपों से भटका सकें। हालांकि, फराज ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। उन्होंने अपने इस कदम को सही ठहराते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि क्लैक्टन की जनता ही उनके कार्यों की न्यायाधीश बने और उनका राजनीतिक भविष्य तय करे, न कि कोई सत्ता–प्रतिष्ठान, जो उनके मुताबिक उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उपचुनाव में उनके सामने कौन–कौन उम्मीदवार के तौर पर खड़ा है? क्लैक्टन उपचुनाव में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों– लेबर पार्टी, कंजर्वेटिव पार्टी और लिबरल डेमोक्रेट्स ने नाइजल फराज के खिलाफ चुनाव का बहिष्कार किया है, क्योंकि उनका मानना है कि फराज का यह कदम केवल संसदीय जांच से ध्यान भटकाने का एक हथकंडा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।